CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-17
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

जो मनुष्य अपने आपको जीत लेता है, वही सच्चा विजेता है। - भगवान महावीर

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार, 21 अप्रैल 2024

शहजादे को अब वायनाड से भी लग रहा डर : मोदी

नांदेड। महाराष्ट्र के नांदेड में एक रैली को संबोधित करते हुए शनिवार को पीएम मोदी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। पीएम ने कहा कि कांग्रेस के रवैये के कारण ही यहां के किसान गरीब होते गए और उद्योगों से जुड़ी संभावनाएं खत्म होती चली गई। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि लाखों युवाओं को पलायन करना पड़ा। पीएम मोदी ने इसी के साथ राहुल गांधी और सोनिया गांधी पर भी निशाना साधा। पीएम ने कहा कि राहुल गांधी पहले अमेठी छोड़कर केरल के वायनाड गए, अब उन्हें वायनाड से भी हार का डर सता रहा है। पीएम ने कहा, शहजादे अब वायनाड छोड़कर दूसरी सेफ सीट ढूंढ रहे हैं।

मोदी ने इसी के साथ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी पर निशाना साधा। पीएम ने तंज कसते हुए कहा, कुछ नेता लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ते और जीतते थे, इस बार उन्हें राज्यसभा के रास्ते प्रवेश करना पड़ रहा है। पीएम ने कहा2 कि कांग्रेस का हाल तो ये है कि उसे उम्मीदवार तक नहीं मिल रहे हैं और वो अभी से हार मान चुकी है।

इंडी गठबंधन को जनता ने नकारा- अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि मतदाता देख रहे हैं कि इंडी गठबंधन के लोग अपने स्वार्थों में, अपने भ्रष्टाचार को बचाने के लिए एक साथ आए हैं। पहले चरण में लोगों ने इंडी गठबंधन को पूरी तरह से नकार दिया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ये लोग दावे जो भी करें, लेकिन सच्चाई ये है कि चुनाव से पहले ही कांग्रेस के नेताओं ने हार मान ली है। ज्यादातर सीटों पर इनकी पार्टी के नेता चुनाव प्रचार के लिए नहीं जा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अगले 25 साल भारत के हैं। ज्यादा मत प्रतिशत बताता है कि भारत की लोकतांत्रिक ताकत बढ़ रही है।

सीएए लाने की असली वजह बताई- पीएम ने कहा कि ये हमारी सरकार है जो बंटवारे के पीड़ितों के लिए सीएए लेकर आई है। सीएए न होता तो हमारे सिख भाई-बहनों का क्या होता? लेकिन कांग्रेस इसका भी विरोध कर रही है। ऐसा लगता है कि 1984 का बदला कांग्रेस सिखों से अब तक ले रही है।

गोबिंद सिंह की सीख ही हमारी प्रेरणा-पीएम ने कहा कि खालसा पंथ की गुरु परंपरा और गुरु गोबिंद सिंह की सीख हमारी सरकार के लिए प्रेरणा रही है। करतारपुर साहिब कॉरिडोर का काम पूरा होने के बाद लाखों श्रद्धालुओं को वहां दर्शन में मदद मिल रही है। पीएम ने कहा कि अब हुजूर साहिब और हेमकुंड साहिब के दरबार तक बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर का इंतजाम करना होगा।

महावीर जयंती कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी- चुनाव न होता, तो मैं भी कुछ और मिजाज में होता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महावीर जयंती के उपलक्ष्य में भगवान महावीर के 2,550वें निर्वाण महोत्सव को संबोधित किया। दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने बताया कि किस प्रकार भगवान महावीर की शिक्षा के कारण आज दुनिया में भारत का कद बढ़ा है। दूसरे देश जब एक-दूसरे खिलाफ जंग छेड़ रहे हैं, तब दुनिया भारत की तरफ एक उम्मीद की नजर से देख रही है।पीएम मोदी ने अपने संबोधन के अंत में कहा कि अगर यह चुनाव का माहौल न होता तो शायद मैं भी कुछ और मिजाज में होता। मैंने पूरी कोशिश की है कि उन चीजों को बाहर ही रखकर आऊं। मैं तो नहीं लाया, लेकिन आप जरूर लेके आए हैं। इसके साथ ही पीएम मोदी अपील की कि मतदान वाले दिन इस बात का इंतजार न करें कि धूप कम होगी और शाम ढलेगी, तब घर से बाहर निकलेंगे। यह काम सुबह-सुबह ही कर आना। पीएम मोदी ने कहा, अभी हमने भगवान महावीर के जीवन पर विद्यार्थी मित्रों द्वारा तैयार किए चित्रण को देखा। युवा साथियों ने वर्तमान में वर्धमान सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति भी की। हमारे अनादि मूल्यों के प्रति, भगवान महावीर के प्रति युवा पीढ़ी का ये आकर्षण और समर्पण, ये विश्वास पैदा करता है कि देश सही दिशा में जा रहा है। इस साल हमारे संविधान को भी 75 वर्ष होने जा रहे हैं। इसी समय देश में एक बड़ा लोकतांत्रिक उत्सव भी चल रहा है। देश का विश्वास है कि यहीं से भविष्य की नई यात्रा शुरू होगी। भारत न केवल विश्व की सबसे प्राचीन जीवित सभ्यता है, बल्कि मानवता का सुरक्षित ठिकाना भी है। ये भारत ही है, जो... स्वयं के लिए नहीं, सर्वम के लिए सोचता है। स्व की नहीं, सर्वस्व की भावना करता है। अहम नहीं, वहम की सोचता है। इति नहीं, अपरिमित में विश्वास करता है। नीति और नियति की बात करता है। पिंड में ब्रह्मांड की बात करता है।

इंदौर में मनी भगवान महावीर की जंयती, जैन समाज के जुलूस निकले, दिया स्वच्छता और गौवंश बचाने का संदेश

इंदौर में महावीर जयंती पर सुबह श्वेताम्बर जैन समाज का जुलूस राजवाड़ा से निकला। जुलूस में समाजजनों ने गौवंश बचाने और स्वच्छता का संदेश दिया। हजारों समाजजन पारंपरिक वस्त्र पहने जुलूस में शामिल हुए। शहर के अन्य क्षेत्रों में भी जिनालयों से जैन समाज के जुलूस निकले। राजवाड़ा पर जुलूस को सुबह आठ बजे नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और मंत्री तुलसी सिलावट ने हरी झंडी दिखाई। कांग्रेस प्रत्याक्षी अक्षय बम व विधायक गोलू शुक्ला भी जुलूस में शामिल हुए। भगवान महावीर के जयघोष के साथ जुलूस में शामिल महिलाएं हाथों में गौवंश बचाने की तख्तियां लेकर चल रही थी। भगवान महावीर के जीवन पर आधारित झांकी के अलावा एक झांकी स्वच्छता का संदेश भी दे रही थी। राजवाड़ा से शुरू हुआ जुलूस खजूरी बाजार, मल्हारगंज, टोरी होते हुए जैन मंदिर इतवारिया बाजार पर समाप्त हुआ। जुलूस में शामिल महिलाएं पीले रंग की साड़ी पहनी हुई थी। कुछ महिलाएं सतरंगी पगड़ी भी पहने हुए थी,जबकि पुरुष कुर्ता पायेजामा और भगवा रंग की पगड़ी पहन कर चल रहे थे। जुलूस में भजन मंडलियां और रथ भी शामिल थे। रथों पर बच्चे और समाज के वरिष्ठजन सवार थे। जुलूस का

मोहन यादव बोले- इतना विरोध है तो कांग्रेस अपने झंडे से हटाए भगवा रंग

भोपाल। हाल ही में दूरदर्शन ने अपने लोगो का रंग बदल लिया है। इसको लेकर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों केंद्र सरकार पर दूरदर्शन का भगवाकरण करने का आरोप लगाया है। वहीं अब इसको लेकर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कांग्रेस पर निशाना साधा है।मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस और वामपंथी सोच पर शर्म भी आती है और हंसी भी आती है, नाराजगी भी है। अब भगवा रंग के ऊपर कांग्रेस को आपत्ति है। वामपंथी और विरोधी दल को ये समझ नहीं आता है कि भगवा हमारा त्याग और वैराग्य का प्रतीक है। सूर्य संस्कृति का वाहक है। सीएम ने कहा कि अब भगवा रंग का ऐसा विरोध है तो वो कांग्रेस अपने झंडे में भगवा रंग हटाकर दिखा दे। पूरी सनातन संस्कृति, हिंदू संस्कृति को अपमानित करने का काम करते हैं। मैं उम्मीद करता हूं कि कांग्रेस इसके लिए क्षमा प्रार्थी रहेगी। दूरदर्शन का लोगो में सफेद की जगह नारंगी रंग आया, भगवा रंग आया, यह त्याग का प्रतीक है। मैं उम्मीद करता हूं कि कांग्रेस माफी मांगेगी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आज मध्य प्रदेश दौरे पर भी मोहन यादव ने तंज कसा है। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार मोहन यादव ने कहा कि शुरू से कांग्रेस और राहुल गांधी की सोच के लिए चिंता होती है। वो सदैव सेना के पराक्रम पर प्रश्न उठाते हैं, अग्निवीर योजना पर प्रश्न उठाते हैं। उनकी सोच देश को दुर्भाग्यपूर्ण व्यवस्था में ले जाती है।'

कांग्रेस ने साधा निशाना, बोले- भ्रष्टाचारियों का अड्डा बन चुकी भाजपा ने अपने नेताओं को इस क्रैश कोर्स को जरूरी कर दिया

मोदी चला रहे भ्रष्टाचार का स्कूल : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने शनिवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश में भ्रष्टाचार का स्कूल चला रहे हैं, जिसमें वे खुद भ्रष्टाचार विज्ञान विषय के तहत चंदे का धंधा समेत हर चैप्टर खुद विस्तार से सिखा रहे हैं। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा केंद्रीय एजेंसियों की छापेमारी से दान की रकम जुटा रही है। राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि छापेमारी कराकर दान कैसे लिया जाए? दान लेकर ठेके कैसे बांटे जाएं? भ्रष्ट लोगों को धुलने वाली वॉशिंग मशीन कैसे काम करती है? किस तरह से जांच एजेंसियों को रिकवरी एजेंट बनाकर जमानत और जेल का खेल खेला जाता है? राहुल गांधी ने लिखा कि भ्रष्टाचारियों का अड्डा बन चुकी भाजपा ने अपने नेताओं को इस क्रैश कोर्स को जरूरी कर दिया है, जिसकी कीमत देश चुका रहा है। **हिंदुस्तान को दो तरीके के शहीद नहीं चाहिए**- भागलपुर में राहुल गांधी ने कहा कि हिंदुस्तान को दो तरीके के शहीद नहीं चाहिए, एक तरीके का शहीद चाहिए- भागलपुर में जनसभा के दौरान राहुल गांधी ने अग्निवीर योजना को जड़ से उखाड़ फेंकने की बात कही। राहुल गांधी ने इस दौरान सरकारी नौकरी पर भी बात की।

बीजेपी को 150 सीटें भी नहीं मिल रहीं- राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी भले 400 सीटों का दावा कर रही हों लेकिन उसे 150 सीटें भी नहीं मिलने जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी लोगों को भ्रम में डालने का काम कर रही है। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी जी ने देश को बेरोजगारी का सेंटर बना दिया है। युवा फेसबुक और इंस्टाग्राम पर लगे रहते हैं। जो रोजगार देते थे उन्हें गलत जीएसटी और नोटबंदी से तबाह कर दिया। कांग्रेस नौकरियों के द्वार खोलेगी। हमारी सरकार हर युवा को पहली नौकरी का अधिकार देगी।

मोदी सरकार के तीन कानूनों से खुश नजर आए सीजेआई चंद्रचूड

मुख्य न्यायाधीश बोले- भारत बदल रहा है, नए युग की शुरुआत

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने शनिवार को देश में तीन नए आपराधिक कानून बनाए जाने की खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह भारत के बदलने का स्पष्ट संकेत है। सीजेआई के अनुसार, नए कानूनों ने क्रिमिनल जस्टिस को लेकर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। उन्होंने आपराधिक न्याय प्रणाली के प्रशासन में भारत का प्रगतिशील पथ विषय पर यहां आयोजित एक सम्मेलन में कहा कि नए कानून तभी सफल होंगे यदि हम नागरिकों के रूप में उन्हें अपनाएं। प्रधान न्यायाधीश ने नए आपराधिक न्याय कानूनों के लागू होने को समाज के लिए ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि भारत अपनी आपराधिक न्याय प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव के लिए तैयार है। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि नए अधिनियमित कानूनों ने आपराधिक न्याय पर भारत के कानूनी ढांचे को एक नए युग में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के हितों की रक्षा करने और अपराधों की जांच एवं अभियोजन में कुशलता के लिए अत्यावश्यक सुधार किए गए हैं। सीजेआई ने कहा, संसद द्वारा इन कानूनों को पास किया जाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत बदल रहा है एवं आगे बढ़ रहा है और मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए नए कानूनी उपकरणों की जरूरत है। चंद्रचूड़ के मुताबिक, नए कानून तभी सफल होंगे जब इन्हें लागू करने की जिम्मेदारी संभालने वाले लोग इन्हें अपनाएंगे। इस सम्मेलन में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी और सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता भी मौजूद थे। देश की आपराधिक न्याय प्रणाली को पूरी तरह से बदलने के लिए नए बनाए गए कानून भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम एक जुलाई से लागू होंगे। हालांकि, हिट-एंड-रन के मामलों से संबंधित प्रावधान को तुरंत लागू नहीं किया जाएगा। तीनों कानूनों को पिछले साल 21 दिसंबर को संसद की मंजूरी मिली थी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 25 दिसंबर को इन्हें स्वीकृति दी थी।

सैयद जैनुल आबेदीन अली खान बोले- गलत भ्रम पैदा कर रहा है विपक्ष

मोदी सरकार के मुरीद हुए अजमेर दरगाह के दीवान

अजमेर। अजमेर शरीफ दरगाह के दीवान भी अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार और भाजपा के मुरीद हो गए हैं। उन्होंने राम मंदिर से लेकर सीएए तक जैसे कई मुद्दों पर खुलकर भाजपा के कामों का समर्थन करते हुए विपक्ष पर निशाना भी साधा है। उन्होंने कहा कि देश प्रगति कर रहा है और आज दुनिया में भारत का जो मुकाम है वह भाजपा सरकार की बदौलत है। लोकसभा चुनावों के बीच अजमेर शरीफ दरगाह के दीवान इस तरह के बयानों को काफी अहम माना जा रहा है। वहीं, विपक्ष के इस आरोप पर कि भाजपा संविधान बदलना चाहती है? इस पर अजमेर दरगाह के दीवान सैयद जैनुल आबेदीन अली खान ने कहा कि एक गलत भ्रम पैदा किया जा रहा है। संशोधन करना अलग बात है। इसे संविधान बदलने से नहीं जोड़ा जा सकता है। दरगाह के दीवान ने शनिवार को एक इंटरव्यू में कहा कि संविधान 1950 में बनाया गया था, तब से लेकर अब तक संसद में इसमें कितने संशोधन किए गए हैं? राष्ट्रहित और जनहित में यदि संशोधन की जरूरत होगी तो किए ही जाएगे। झूठा भ्रम पैदा किया जा रहा है। क्या 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा लगाया गया आपातकाल एक संशोधन नहीं था? संशोधन करने को संविधान बदलने से नहीं जोड़ा जा सकता है। सैयद जैनुल ने आगे भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि देश पिछले 10 वर्षों में प्रगति कर रहा है और दुनिया में देश ने जो मुकाम हासिल किया है वह मौजूदा सरकार की देन है। उन्होंने कहा कि जनता को भी देखना चाहिए कि हमारे देश को प्रगति की ओर कौन ले जा रहा है और फिर इसके आधार पर अपने वोट का उपयोग करना चाहिए। यह पूछे जाने पर कि क्या राम मंदिर चुनाव में मुद्दा होगा? सैयद जैनुल आबेदीन ने कहा कि राम मंदिर एक मुद्दा हो सकता है, लेकिन इसे चुनाव से नहीं जोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा कि राम मंदिर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ही बना। इसमें श्रेय लेने की कोई बात नहीं है। जनता इस बात को समझती है। जब सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला दे दिया है तो इससे आहत होने का कोई मतलब नहीं है।

रांची में आज इंडी गठबंधन का महाजुटान

हेमंत और केजरीवाल की पत्नी रहेंगी मौजूद

झारखंड की राजधानी रांची में आज इंडी गठबंधन की उलगुलान न्याय रैली होने वाली है। इस रैली में कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, राजद के लालू प्रसाद, एनसी के फारूक अब्दुल्ला, सपा के अखिलेश यादव और जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल सहित 14 राजनीतिक दलों के नेता शामिल होंगे।इसे इंडी गठबंधन के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा सकता है, रैली का नेतृत्व रांची के प्रभात तारा मैदान में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) करेगा। संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में ब्लॉक नेताओं ने दावा किया कि रैली को 28 पार्टियों का समर्थन प्राप्त है और राय भर से पांच लाख से अधिक लोग इसमें हिस्सा लेंगे। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपई सोरेन ने शनिवार को दावा किया कि विपक्षी गठबंधन की उलगुलान न्याय रैली के दौरान केंद्र के तानाशाही दृष्टिकोण का खुलासा किया जाएगा। चंपई सोरेन ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी के बाद झामुमो ने उनके लिए न्याय की मांग को लेकर राय भर में न्याय यात्रा निकाली। हमें तानाशाही को रोकने और अपने लोकतंत्र और संविधान को बचाने की जरूरत है। झारखंड और दिल्ली में क्या हुआ, सब जानते हैं। हम मेगा रैली में केंद्र के तानाशाही रवैये का पर्दाफाश करेंगे। रविवार सुबह रांची पहुंचने के बाद शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि मेरा संदेश बहुत स्पष्ट है कि हम भाजपा की बढ़ती निरंकुशता के खिलाफ इस लड़ाई में एक साथ हैं। वे विपक्ष को ठीक से काम नहीं करने दे रहे हैं। वे जो करने की कोशिश कर रहे हैं वह विपक्ष को चुप कराना है।

सिंगल कॉलम

लोग जा रहे गोवा-शिमला, प्रशासन को वोटिंग बढ़ाने की चिंता

इंदौर। इंदौर में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान का समय नजदीक आ गया है और दोनों ही पार्टियां प्रचार के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक रही हैं। दूसरी तरफ प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बढ़ चढ़कर मतदान में भाग लें। इन सबके बीच मई का महीना होने और छुट्टियां लगने की वजह से लोग बड़ी संख्या में पर्यटन के लिए बाहर भी जा रहे हैं। इंदौर में लोकसभा चुनाव के लिए 13 मई सोमवार को मतदान होना है। सोमवार और रविवार की छुट्टी साथ पड़ने से इन दिनों के आसपास इंदौर से आने जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग चल रही है। गोवा, शिमला और अन्य पर्यटन स्थलों पर जाने के लिए लोग प्लान बना रहे हैं। इन दिनों में गोवा-शिमला-धर्मशाला और केरल जाने के लिए खासी वेटिंग चल रही है। मई और जून के महीने में इन सभी पर्यटक स्थलों पर खासी भीड़ रहती है। यहां के टिकट भी लगभग दोगुने रेट पर मिल रहे हैं लेकिन फिर भी लोग बड़ी संख्या में बुकिंग करवा रहे हैं। गोवा की फ्लाइट का आम दिनों में टिकट पांच से छह हजार के बीच मिलता है जो इन दिनों दस हजार रुपए तक मिल रहा है। पहले से भी करवा रखी थी बुकिंग ट्रैवल एजेंट सचिन शर्मा बताते हैं कि वोटिंग के पहले बड़ी संख्या में लोग पर्यटन के लिए जा रहे हैं। स्कूलों की छुट्टी होने की वजह से भी यह आंकड़ा अधिक बढ़ा है। लोगों को दो दिन की छुट्टी एक साथ मिली है इसलिए वह यह मौका छोड़ना नहीं चाहते हैं। सचिन का कहना है कि बहुत से लोगों ने चुनाव की घोषणा के पहले ही इन दिनों में घूमने के लिए बुकिंग करवा ली थी। अंतिम समय में कुछ पर्यटक स्थलों पर बुकिंग बहुत महंगी हो गई है लेकिन बहुत से लोग अभी भी बुकिंग करवा रहे हैं। प्रशासन कर रहा बैठकें इंदौर जिला प्रशासन लगातार रहवासी संघों के साथ बैठकें कर रहा है। रैलियां निकाली जा रही हैं और घर-घर दस्तक देकर लोगों से वोटिंग के लिए अपील की जा रही है। इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने वोटिंग प्रतिशत बढ़ाने के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रमों का शेड्यूल तैयार करवाया है।

बेवजह फाइलें पेंडिंग रखने पर तहसीलदारों का कटेगा वेतन

इंदौर। इंदौर में पटवारियों और रेवेन्यू इंस्पेक्टर के खिलाफ कार्रवाई के बाद अब कलेक्टर आशीष सिंह ने तहसीलदारों पर सख्ती की है। आठ तहसीलदार-नायब तहसीलदार के कामकाज में गड़बड़ियां मिली है। गड़बड़ी की शिकायत रेवन्यू कोर्ट ने की थी। इनमें से चार तहसीलदारों का एक माह का वेतन राजसात करने के साथ विभागीय जांच शुरू की गई है। ऐसे ही चार तहसीलदारों का एक हफ्ते का वेतन राजसात करने के आदेश दिए हैं। कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि पिछले दिनों उन्होंने विभाग का अचानक निरीक्षण किया था। उस दौरान पटवारियों, रेवन्यू इंस्पेक्टर की भूमिका में गड़बड़ियां पाई गई थी। इस पर अपर कलेक्टर को आठ तहसीलदारों के खिलाफ जांच के आदेश दिए थे। तहसीलदार योगेश मेश्राम (कनाडिया), जगदीश रंधावा (जूनी इंदौर), शैवालसिंह (मल्हारगंज) और नायब तहसलीदार जितेंद्र वर्मा (मल्हारगंज) के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियां मिली। इस पर उनका एक माह का वेतन राजसात के साथ विभागीय जांच शुरू की गई है। तहसीलदार शिखा सोनी (बेटमा), नायब तहसलीदार जितेंद्र सोलंकी (खुडैल), नायब तहसीलदार चौखालाल (सांवेर) और नायब तहसीलदार धर्मेंद्रसिंह चौहान का एक हफ्ते का वेतन राजसात किया गया है। इसके साथ की कड़ी चेतावनी दी गई है।

इंदौर महिला कांग्रेस अध्यक्ष साक्षी शुक्ला को हटाया

इंदौर। इंदौर में 25 अप्रैल को फिर बड़े पैमाने पर कई कांग्रेस नेता कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने वाले है। इनमें शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष रही साक्षी शुक्ला के जाने की चर्चा भी जोरों पर है। इस के चलते आशंका प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने उन्हे ताबड़तोड़ हटाया और पार्षद सोनाली मिमरोट को शहर अध्यक्ष बनाया। पटवारी के इस फैसले से साक्षी नाराज है और उन्होंने प्रदेशाध्यक्ष पटवारी से बात कर कहा कि वे कांग्रेस से नहीं जा रही है। इसके बावजूद उन्हें हटाया गया। साक्षी शुक्ला को डेढ़ साल पहले पूर्व प्रदेशाध्यक्ष कमल नाथ ने इंदौर महिला कांग्रेस का नगर अध्यक्ष बनाया था। उन्होंने कार्यकारिणी भी घोषित कर ली थी। उनका कार्यकाल भी बचा था, लेकिन अचानक उन्हें पद से हटा दिया और मिमरोट को महिला कांग्रेस कमेटी की कमान सौंप दी गई। दरअसल साक्षी पूर्व विधायक संजय शुक्ला की रिश्तेदार है। कांग्रेस के बड़े नेताओं को भनक लगी थी कि साक्षी कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थाम सकती है। 25 अप्रैल को मुख्यमंत्री मोहन यादव की मौजूदगी में एक बड़ा आयोजन इंदौर में होगा। जिसमे पूर्व विधायक संजय शुक्ला और विशाल पटेल के सैकड़ों समर्थक कांग्रेस छोड़कर भाजपा की सदस्यता लेंगे। भाजपा में कौन-कौन नेता जा सकता है। इसकी संभावित सूची के हिसाब से कांग्रेस उन्हें पहले ही पद से हटा रही है। इसके चलते ही साक्षी शुक्ला से महिला कांग्रेस अध्यक्ष पद छिना गया। साक्षी को कांग्रेस ने नगर निगम में पार्षद उम्मीदवार का टिकट भी दिया गया था।

चार माह भी शुरू नहीं हो पाई इंदौर-अयोध्या बस

दिसंबर से अब तक तीन बार जारी हो चुके टेंडर

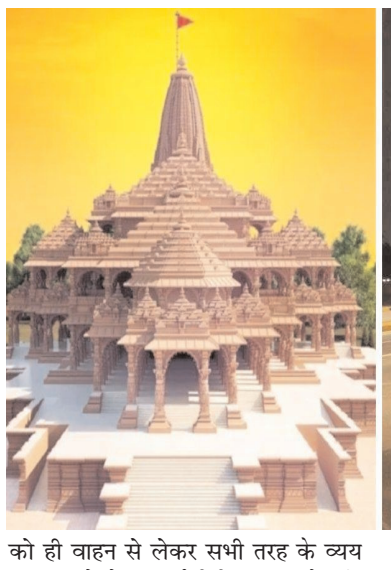

सिटी चीफ इंदौर।

अयोध्या में राम मंदिर बनकर तैयार हो चुका है। देशभर से हर दिन हजारों संख्या में श्रद्धालु यहां पहुंच रहे है। लेकिन इंदौर से सीधे अयोध्या जाने के लिए महज एक ट्रेन ही उपलब्ध है।एआईसीटीएसएल द्वारा गत वर्ष दिसंबर माह में इंदौर से अयोध्या के लिए बस सेवा शुरू करने के लिए टेंडर जारी किए गए थे। लेकिन आज तक बस सेवा शुरू नहीं हो पाई है। तीन बार टेंडर जारी करने के बाद भी बस ऑपरेटर टेंडर प्रक्रिया में शामिल नहीं हुए। जानकारी के अनुसार एआईसीटीएसएल ने 12 फरवरी को दूसरी बार टेंडर कॉल किया। इसके बाद 2× फरवरी को तीसरी बार टेंडर कॉल किया, लेकिन तब भी ऑपरेटर्स नहीं आए। इसके बाद एआईसीटीएसएल के अफसरों ने कुछ बस ऑपरेटर्स चर्चा भी की, लेकिन बात नहीं बनी। अभी तक इंदौर से अयोध्या धाम के लिए सीधी बस कनेक्टिविटी नहीं है। गत वर्ष दिसंबर में एआईसीटीएसएल द्वारा अयोध्या, काशी, पुणे, मुंबई, नई दिल्ली सहित अन्य रूट पर बस चलाने के लिए टेंडर जारी किए गए थे। इसमें आपरेटरों को ही वाहन से लेकर सभी तरह के व्यय वहन करने थे। एआईसीटीएसएल को प्रति सीट के लिहाज से एक तय राशि मिलती। इन रूट पर वॉल्वो बस चलाई जाना है, जो काफी महंगी आती है। यही कारण है कि ऑपरेटर इन रूट के लिए आगे नहीं आए। इंदौर से है सिर्फ एक ट्रेन अगर यह टेंडर हो जाता तो इंदौर से प्रतिदिन अयोध्या के लिए दो बसों का संचालन होता। इंदौर से सीधी अयोध्या के लिए एक भी बस सेवा नहीं है। इंदौर से अयोध्या के लिए एक ही ट्रेन है, यह भी अयोध्या धाम से 10 किमी पहले ही उतारती है। वहीं चार ट्रेन उ'जैन से है।

इंदौर में तेज धूप से गर्मी बढ़ी, 40 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है पारा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। उत्तर-पश्चिमी दिशा से हवा चलने से इंदौर में मौसम अचानक बदल गया। दो दिन तक बादल छाए रहने के बाद रविवार को आसमान साफ रहा। सूरज के तीखे तेवर ने गर्मी बढ़ा दी है।

बीते चौबीस घंटे के भीतर रात के तापमान में 0.5 डिग्री सेल्सियस का अंतर देखा गया। इंदौर में सुबह दस बजे अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस रहा। न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक रहा।

आगे और बढ़ेगी गर्मी

मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर-पश्चिमी दिशा से चलने वाली हवा की रफ्तार 7 किमी रही। सुबह पांच दृश्यता छह हजार मीटर थी। विशेषज्ञों का कहना है कि अगले दो से तीन दिन तापमान ऐसा ही बना रहेगा। तेज धूप से गर्मी बढ़ेगी। उमस से राहत नहीं मिलेगी। साथ ही तापमान 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

गर्मी से मिलेगी राहत, सप्ताह अंत में बूंदों से भीगेगा शहर

शहर में इस सप्ताह गर्मी की तपिश बरकरार रहेगी। सप्ताह के पांच दिन मौसम शुष्क रहेगा। हालांकि दिन में हल्के बादल छाने के कारण भीषण गर्मी से शहरवासियों को राहत मिलेगी। सप्ताह की शुरुआत में गर्मी से राहत रहेगी। सप्ताह के अंत में दो दिन बादल छाने के साथ हल्की बूंदाबांदी होने से शहरवासियों को गर्मी से हल्की राहत मिलने की संभावना है।

भोपाल स्थित मौसम केंद्र के मौसम विज्ञानियों के मुताबिक वर्तमान में उत्तरी पाकिस्तान पर एक पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है। वहीं एक द्रोणिका विदर्भ से लेकर मध्य अरब सागर तक जा रही है। इसके अलावा इस सप्ताह में 22 अप्रैल की पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। यह पश्चिमी उत्तर पूर्व भारत को प्रभावित करेगा। ऐसे में आगामी सप्ताह में अरब सागर से नमी मिलने के कारण सप्ताह के अंत में गरज-चमक के साथ वर्षा की गतिविधियां दिखाई देंगी। वर्तमान में उत्तर पश्चिमी हवाएं अभी 16 से 18 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चल रही है।

2× से 25 अप्रैल के बीच हवाएं 10 से 12 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलेगी। हालांकि 26 अप्रैल के बाद हवाएं तेज गति से चलेगी। ऐसे में दिन में तापमान में बढ़ोतरी रहेगी। और शाम को गर्मी से राहत रहेगी।

बड़नगर के विशाल कुमार आइपीएस बने, यूपीएससी में 668 वीं रैंक प्राप्त की

सिटी चीफ इंदौर।

तहसील के ग्राम सुंदराबाद में रहने वाले विशाल कुमार आईपीएस बन गए हैं। उन्होंने यूपीएससी परीक्षा 202× में 668 वीं रैंक प्राप्त करते हुए यह सफलता अर्जित की है। परिणाम आने के बाद बड़नगर तहसील के साथ ही उनके गृह ग्राम सुंदराबाद में जश्न का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने जन्म भूमि का नाम रोशन किया है। वे प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे गांव के अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गए हैं।

विशाल कुमार की इस उपलब्धि पर डीओएम (दलित, पिछड़ा, अल्पसंख्यक) संगठनों के अखिल भारतीय परिसंघ के उ'जैन जिला अध्यक्ष जेके मालवीय,उपाध्यक्ष रणजीत चौहान, सचिव हरिवंश राय पथरोड़, बड़नगर तहसील अध्यक्ष ललित कुमार वर्मा ने उन्हें भारतीय संविधान भेंटकर सम्मानित किया हैं। कहा जाता है प्रतिकूल परिस्थितियों में ही प्रतिभा के प्रसून खिलते हैं। इस कहावत को चरितार्थ करते हुए विशाल कुमार ने असुविधाओं में जीवन व्यतीत करते हुए भी अपने लक्ष्य को सदैव महत्व दिया।

इंदौर में बीड़ी पीता हुआ सो गया प्लंबर जलने से हो गई मौत, श्वान भी जला

सिटी चीफ इंदौर।

शहर के परदेशीपुरा क्षेत्र में शुक्रवार रात एक प्लंबर की जलने से मौत हो गई। वह बीड़ी पीता था। रात को बीड़ी पीते हुए सो गया था। घटना देर रात कुलकर्णी नगर की है। फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम आग लगने की सूचना पर पहुंची थी। पुलिसकर्मी अंदर घुसे तो प्लंबर दीपक और उसका श्वान जल चुका था। स्वजन ने बताया दीपक नशा और बीड़ी पीता था। संभवत- बीड़ी पीते हुए सो गया और बिस्तर ने आग पकड़ ली।

वाहन चोर गिरफ्तार

खजराना थाना पुलिस ने बाग-टांडा के बदमाशों को पकड़ा है, जो दोपहिया वाहन चुरा रहे थे। पुलिस ने दो बदमाशों से छह गाड़ियां बरामद की हैं। एसीपी कुंदन मंडलोई के मुताबिक आरोपित दिनेश मेढ़ा निवासी पिपलवा, टांडा और अनिल करमसिंह भूरिया निवासी उंडली (धार) हैं। आरोपित परिचित चौकीदार और गार्ड के पास रुकते थे।

मकान में आग लगने से एक की मौत, डॉग भी आया चपेट में

सिटी चीफ इंदौर।

थाना परदेशीपुरा क्षेत्र के कुलकर्णी नगर के एक मकान में शुक्रवार रात आग लग गई। आग को बुझा दिया गया है, लेकिन मकान में रहने वाले व्यक्ति की जलने से मौत हो गई। एक डॉग भी आग की चपेट में आने से जलकर मर गया।

परदेशीपुरा पुलिस के मुताबिक दीपक पिता हरिदास कोरी की आगजनी में मौत हुई है। वह प्लंबर था। उसे बीड़ी पीने की आदत थी। बीड़ी पीते हुए सो गया था। आग की सूचना पर फायर ब्रिगेड कुलकर्णी नगर पहुंची। अंदर घुसकर देखा तो दीपक और उसका डॉग दोनों जल चुके थे। परिजनों ने प्रारंभिक जानकारी में पुलिस को बताया कि वो नशा भी करता था। आग कैसे लगी इसकी जांच की जा रही है।

तेज हवा चलने से कार पर गिरा पेड़:बाल-बाल बचे लोग

पार्किंग में खड़ी थी कार, एमटीएच के पास बड़ी घटना टली

सिटी चीफ इंदौर।

शनिवार को एमटीएच, पालिका प्लाज के पास तेज हवा चलने से एक पेड़ टूटकर कार पर आ गिरा। कार में कोई भी नहीं था। घटना के कुछ देर पहले ही कार के पास कुछ लोग खड़े थे जो कुछ मिनट पहले ही चले गए थे। इससे बड़ी घटना टल गई।

घटना शाम की है। इस दौरान मौसम कुछ बदला था और तेज हवा चल रही थी।

यहां पालिका प्लाजा के पास एक कई कारें पार्क थी और चाय के ठेले के पास कुछ लोग खड़े थे। तभी एक पेड़ का बड़ा हिस्सा टूटकर कार पर गिरा। यह देख लोग घबराए और पास जाकर देखा तो वहां कोई नहीं था। इस पर राहत की सांस ली। पेड़ के टूटे हुए हिस्से को हटाया जा रहा है।

इंदौर नगर निगम के सहायक यंत्री और लाइनमैन की पिटाई

गाड़ी में तोड़फोड़ कर पिस्टल अड़ा दी

सिटी चीफ इंदौर।

नर्मदा पाइप लाइन जांचने गए सहायक यंत्री (नगर निगम) और लाइनमैन पर हमला हो गया। दो युवकों ने उनके साथ मारपीट की और गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी। आरोप है कि ईंट से हमला कर घायल किया और पिस्टल अड़ा कर गोली मारने की धमकी भी दी। खजराना पुलिस ने दो आरोपितों के विरुद्ध मारपीट, शासकीय कार्य में बाधा सहित विभिन्न धाराओं में एफआइआर लिखी है।घटना काशी नगर की शनिवार सुबह करीब पौने नौ बजे की है। एई पंकज कुमार दहायत निवासी हैवंस होम कनाड़िया ने आरोपित रितेश करोसिया और प्रीतेश उर्फ पिंटू करोसिया के खिलाफ रिपोर्ट लिखवाई है। पंकज नगर निगम के जोन क्रमांक-19 में पदस्थ है। शुक्रवार को रहवासी प्रत्येश दुबे द्वारा नर्मदा का पानी न आने की शिकायत दर्ज करवाई थी।

पंकज लाइनमैन किशोर हतागले के साथ लाइन देखने गए थे। कालोनी में एक महिला निर्माणाधीन मकान में तरी कर रही थी। आरोप है कि पानी के छींटे एई और लाइनमैन पर गिर रहे थे। महिला को समझाने पर विवाद करने लगी। एई ने पानी के बारे में पूछा तो रितेश गालियां देते हुए बाहर आया। पंकज के साथ धक्का-मुक्की करना शुरू कर दी। उनका मोबाइल भी फैंक दिया।

पंकज ने वायरलेस सेट से विवाद की सूचना दी और कंट्रोल रुम से बल भेजने की मांग की। लाइनमैन ने पंकज को दूर खड़ा कर दिया और वह मोबाइल ढूंढने लगा। रितेश और प्रीतेश ने दोबारा मारपीट की और गाड़ी में तोड़फोड़ कर दी। लाइनमेन की कनपटी पर पिस्टल अड़ा दी और बोला की तेरे साहब को बुला वरना गोली मार दूंगा। सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में निगमकर्मी व अधिकारी खजराना थाने पहुंचे और घटना की रिपोर्ट दर्ज करवाई।

घर में घुसकर वृद्धा से लूट, हीरे का हार समेत कीमती जेवरात समेटकर भागे बदमाश

सीसीटीवी फुटेज आया सामने

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल में एक वृद्ध महिला से चाकू की नोक पर हीरे का हार, अंगुठी और सोने के जेवरात की लूट में पुलिस के हाथ खाली है। पुलिस ने घटना के बाद आसपास के सीसीटीवी खंगाले हैं, इसमें लुटेरे आते और जाते नजर आ रहे हैं। घटना कटारा हिल्स थाना क्षेत्र के प्राइड सिटी की है। पुलिस इस मामले को लूट नहीं चोरी की मानकर जांच कर रही है।

फेंसिंग काटकर कालोनी में घुसे थे बदमाश

जानकारी के मुताबिक प्राइड सिटी निवासी 59 वर्षीय आशा चौकीकर के घर शुक्रवार देर रात लुटेरे दाखिल हुए, और चाकू अड़ाकर जेवरात ले भागे। घटनाक्रम के सीसीटीवी फुटेज भी सामने आए हैं, जिनमें लुटेरे वारदात से पहले दाखिल होते और बाद भागते नजर आ रहे हैं। लूट की वारदात करने वाले बदमाश तार फेंसिंग काटकर कालोनी में दाखिल हुए। पहले उन्होंने मकानों की रैकी की। फिर महिला के घर में घुसकर लूट की। वारदात को अंजाम देने के बाद उसी रास्ते से फरार हो गए, जहां से दाखिल हुए थे। घटना महिला के घर के पास लगे एक सीसीटीवी में कैद हुई है, जिसमें मंकी कैप पहले चार लुटेरे हैं।

पुलिस गश्त पर उठ रहे सवाल

आचार संहिता के दौरान लूट की घटना से पुलिस गश्त पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। शाहपुरा के बी सेक्टर में डकैती के बाद कटारा हिल्स में लूट की वारदात सामने आई है। कटारा हिल्स की घटना में लुटेरों के हाथों में धारदार हथियार और राड थी। राड को फंसाकर उन्होंने मेन गेट का लॉक तोड़ा, फिर घर में दाखिल हुए। बुजुर्ग महिला ने बताया कि वह सीधे मेरे बेडरूम में आ धमके। बदमाश घर से हीरे और सोने के जेवरात ले गए।

पुलिस मान रही चोरी

कटारा हिल्स थाना पुलिस मामले को चोरी मानकर जांच कर रही है। अज्ञात बदमाशों की तलाश में पुलिस की तीन टीमें जुटी हैं। पुलिस का कहना है कि महिला पर किसी प्रकार का बल प्रयोग नहीं हुआ है। पीड़िता के बताए अनुसार घटनाक्रम चोरी का है। इस कारण चोरी की धाराओं में प्रकरण दर्ज हुआ है। मकान में बुजुर्ग महिला अकेली रहती है। उनका एक बेटा बेंगलुरु और दूसरा दिल्ली में नौकरी करता है।

कालेज छात्रा के साथ रिश्तेदार ने किया दुष्कर्म, प्रकरण दर्ज

सिटी चीफ भोपाल।

पिपलानी इलाके में रहने वाली 22 वर्षीय एक कालेज छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। आरोपित उसका बिहार का रिश्तेदार है, जो भोपाल आया और उसे होटल में लेकर गया और जहां उसके साथ ज्यादती की। बाद में भी वह उसे बदनाम करने की धमकी देखकर उसका शारीरिक शोषण करता रहा। आखिरकार उसकी हरकतों से परेशान होकर छात्रा ने उसकी शिकायत थाने में कर दी। अब पुलिस जल्द ही आरोपित की गिरफ्तार करेगी।

चार साल पहले हुई थी पहचान

पुलिस के मुताबिक 22 वर्षीय युवती बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा है। वह मूलत: बिहार की रहने वाली है। चार साल पहले वह एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए बिहार गई थी। यहां पर उसकी पहचान दीपक तिवारी नाम के युवक से हुई। वह भी उसी शादी में शामिल होने के लिए आया था। दोनों के बीच पहचान हुई तो दीपक ने युवती का मोबाइल नंबर ले लिया। बाद में दोनों के बीच बातचीत होने लगी। करीब दो साल बाद मार्च 2022 में दीपक युवती से मिलने के लिए भोपाल आया। घुमाने के बहाने वह उसे एक होटल में लेकर गया। यहां पर उसने युवती के साथ दुष्कर्म किया। ज्यादती करने के बाद वह वापस बिहार लौट गया। कुछ दिनों बाद वह भोपाल वापस आया तथा आनंद नगर इलाके में किराए का मकान लेकर रहने लगा। रिश्तेदारों में बदनाम करने की धमकी देकर वह उसने युवती के साथ कई बार शारीरिक संबंध बनाए। बाद में किराये का कमरा खाली कर चला गया। बाद में वह छात्रा को तंग करने लगा। इससे परेशान होकर उसने शिकायत कर दी। पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर आरोपित की तलाश शुरू कर दी है।

19.48 करोड़ रुपये के घोटाले में आरजीपीवी के वित्त नियंत्रक की पत्नी की सुनवाई टली, भेजा जेल

सिटी चीफ भोपाल।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (आरजीपीवी) में 19.48 करोड़ के घोटाला मामले में आरोपित वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा की पत्नी सीमा वर्मा को एसआइटी ने गिरफ्तार कर शनिवार को विशेष न्यायाधीश राम प्रसाद मिश्र के कोर्ट में पेश किया। यहां सरकारी अधिवक्ता की आपत्ति पर प्रतिवेदन बुलाए जाने के लिए न्यायालय ने सोमवार तक सुनवाई स्थगित कर दी और सीमा वर्मा को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।सीमा के अधिवक्ता ने उन्हें अस्थमा और उच्च रक्तचाप का मरीज़ बताते हुए मयंक कुमार द्वारा मात्र टारगेट पूरा करने के लिए उनका अकाउंट खोले जाने की बात कही। यह भी कहा कि इस मामले से इनका कोई लेना-देना नहीं है।

बता दें कि आरजीपीवी घोटाले की जो राशि मयंक कुमार के खाते में ट्रांसफर की गई थी, उसी से सीमा वर्मा के नाम 20 लाख रुपये की एफडी बनाई गई थी। घोटाले की जांच में उनका नाम भी सामने आया है। पुलिस ने जांच में पाया है कि एक्सिस बैंक में एफडी कैश कराने के बाद वहां से डीडी बनाकर आरबीएल बैंक में जमा किया गया और 13 मार्च को सीमा के नाम से 20 लाख रुपये की एफडी बनाई गई। इस मामले में एसआइटी पूर्व कुलपति सुनील कुमार, एक्सिस बैंक के ब्रांच मैनेजर रामकुमार रघुवंशी, दलित संघ सोहागपुर के कार्यकारिणी सदस्य सुनील रघुवंशी और मयंक कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। एसआइटी ने शुक्रवार को सीमा को भी चिनार उपवन, दानिश नगर से गिरफ्तार किया। घोटाले में अभी वर्मा के अलावा तत्कालीन रजिस्ट्रार राकेश सिंह राजपूत फरार हैं। आरजीपीवी में 19.48 करोड़ रुपये की आर्थिक अनियमितताओं के मामले में गांधी नगर पुलिस ने तत्कालीन कुलपति सुनील कुमार गुप्ता, तत्कालीन रजिस्ट्रार राकेश कुमार राजपूत, वित्त नियंत्रक ऋषिकेश वर्मा, दलित संघ सोहागपुर एवं अन्य के खिलाफ धोखाधड़ी की धाराओं में केस दर्ज किया है।

आहार नली में अन्न कण फंसा सात वर्ष की बालिका की मौत

सिटी चीफ भोपाल।

आहार नली में अन्न कण फंस जाने से एक सात वर्ष की बालिका की मौत हो गई। शुक्रवार को भोजन करने के बाद घर के पास खेलते समय वह अचानक बेसुध होकर गिर पड़ी थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद बालिका का शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है। बालिका के निधन से उसके परिवार में शोक का माहौल है। छोला मंदिर थाना पुलिस के मुताबिक सात वर्षीय राधा सिंह पुत्री सुरेश सिंह पुराने आइल डिपो के पास परिवार के साथ रहती थी। उसका परिवार मूलत: चांदबड़ साईं कालोनी बजरिया का रहने वाला है। बालिका के पिता यहां मेहनत-मजदूरी करते हैं, जिससे वह यहीं झुग्गी बनाकर रहने लगे। राधा शुक्रवार दोपहर खाना खाकर झुग्गी से बाहर निकली और खेलने लगी। इसी दौरान अचानक वह बेहोश होकर गिर पड़ी। स्वजन ने जब उसे बेसुध पड़ा देखा तो आनन-फानन में हमीदिया अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डाक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया था। संक्षिप्त पोस्टमार्टम रिपोर्ट में पता चला कि बालिका की आहार नली में अन्न कण फंस जाने से उसकी सांस अवरुद्ध हो गई थी। दम घुट जाने की वजह से उसकी मौत हो गई।

बालाघाट लोकसभा क्षेत्र में महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक मतदान किया

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश में पहले चरण के चुनाव में बालाघाट लोकसभा क्षेत्र में महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक मतदान किया है। यहां कुल 13,76,207 मतदाताओं ने मतदान किया। इसमें 6,93,226 महिला, 6,82,972 पुरुष और नौ थर्ड जेंडर ने अपने मताधिकार का उपयोग किया। इस प्रकार 10254 महिलाओं ने पुरुषों की तुलना में अधिक मतदान किया। पहले चरण के चुनाव में कुल 76 लाख 62 हजार 447 मतदाताओं ने भाग लिया।

पहले चरण में इन सीटों के लिए हुआ मतदान

पहले चरण में सीधी, शहडोल, मंडला, जबलपुर, बालाघाट और छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र के लिए 19 अप्रैल को मतदान हुआ। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय से बताया गया कि पहले चरण के चुनाव में औसत मतदान 67.75 प्रतिशत रहा। एक करोड़ 13 लाख नौ हजार 636 मतदाताओं में से 39,23,078 पुरुष, 37,39,296 महिला और 73 थर्ड जेंडर ने मतदान किया।

सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की दरकार, आज भी निजी पर अधिक भरोसा

सिटी चीफ भोपाल।

कहा जाता है नींव जितनी मजबूत होती है, इमारत भी उतनी ही बुलंद होती है। शिक्षा उसी तरह की बुनियाद है, जिस पर देश का भविष्य संवरता है। इसके बाद भी राजनीतिक दलों के लिए शिक्षा उतनी प्राथमिकता में नहीं रही, जितना होनी चाहिए थी। प्रदेश की सरकारें आज तक ऐसे स्कूल नहीं बना पाईं जहां प्रवेश लेना विद्यार्थी और अभिभावकों के लिए गर्व का विषय रहा हो। प्रदेश में सरकारी स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए सबसे पहले शिक्षकों की कमी दूर करनी होगी। साथ ही शिक्षकों को कौशल विकास का प्रशिक्षण देना चाहिए। वर्तमान स्थिति यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लागू कर लिया गया। स्कूलों में व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी शुरू कर दिए गए, लेकिन शिक्षक प्रशिक्षित नहीं हैं। इस कारण पढ़ाई नहीं हो पा रही है। हालांकि, सरकार का दावा है कि प्रदेश में स्कूली शिक्षा व्यवस्था के सुधार की दिशा में शासन स्तर पर काफी प्रयास किए जा रहे हैं। इसमें सुधार भी हुआ है। तभी मध्य प्रदेश ने स्कूलों का राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वे (एनएएस)-2021 में देश भर में पांचवें स्थान पर जगह बनाई है। सरकारी स्कूलों में शिक्षक के करीब 50 हजार पद खाली हैं। प्रदेश के 22 हजार स्कूल एक शिक्षक के भरोसे संचालित हो रहे हैं। स्कूलों में विषयवार शिक्षकों की भर्ती खास तौर पर प्राथमिक स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पद शीघ्र भरने की जरूरत है। प्रदेश के 274 सरकारी स्कूलों को पहले चरण में सीएम राइज स्कूल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 9000 सरकारी स्कूलों को चिह्नित किया गया है, लेकिन अन्य सामान्य स्कूलों को भी सर्व सुविधायुक्त और गुणवत्तापूर्ण बनाया जाना चाहिए। इसके अलावा निजी स्कूलों पर लगाम लगाने के लिए फीस अधिनियम 2020 लागू किया गया, लेकिन इसका पालन नहीं हो रहा है। तय समय-सीमा में बनें सीएम राइज स्कूल

भोपाल में 10 स्कूलों को सीएम राइस स्कूल के रूप में चिह्नित किया गया है। स्कूल तय समय सीमा 18 माह में पूर्ण नहीं होने के कारण इन स्कूलों के बच्चे अव्यवस्थाओं के बीच पढ़ने के लिए मजबूर हैं। चयनित पीएमश्री स्कूलों का सिर्फ बोर्ड पर नाम बदला प्रदेश में 411 सरकारी स्कूलों को पहले चरण में पीएमश्री स्कूल के रूप में चयनित किया गया है। इसमें राजधानी के चार स्कूल हैं। ये सुविधाएं मिलनी हैं विद्यार्थियों को सीएम राइज या पीएमश्री स्कूलों में थीम बेस्ड क्लास रूम, बायो टायलेट, सुरक्षा गार्ड, स्मार्ट कक्षा, मेडिकल रूम, खेल मैदान, कंप्यूटर रूम, म्यूजिक रूम, भोजन कक्ष, छात्रावास और बस की सुविधा भी उपलब्ध कराई जाएगी।

सरकारी स्कूलों में यह अव्यवस्था

प्रदेश में 98 हजार 963 प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों में से 11 हजार में बालक व बालिका के लिए अलग शौचालय नहीं हैं। 20 हजार में हैंडवाश यूनिट नहीं बनी हैं और 34 हजार में हैंडवाश की व्यवस्था ही नहीं है। 1500 में पेयजल की व्यवस्था नहीं है। डेढ़ हजार स्कूलों में क्लास रूम नहीं हैं तो 22 हजार में क्लास रूम जर्जर और 19 हजार में ज्यादा मरम्मत की आवश्यकता है। वहीं 36 हजार में बिजली की व्यवस्था नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि शासन को इन स्कूलों में भी मूलभूत सुविधाओं पर ध्यान देना चाहिए।

प्रस्तावक लेकर पहुंचा उम्मीदवार, तीन बजे दरवाजा हुआ बंद, नामांकन निरस्त

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा संसदीय क्षेत्र भोपाल से 41 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र खरीदे थे और 28 ने जमा किए थे। इन सभी नामांकन पत्रों की शनिवार को जांच -पड़ताल की गई। इस दौरान निर्दलीय उम्मीदवार एके जीलानी अपना पत्र निरस्त नहीं हो इसके लिए अपने साथ दसवें प्रस्तावक को लेकर कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। तब ही तीन बजे लोकसभा सीट के रिटर्निंग अधिकारी का दरवाजा बंद कर दिया गया। इसके बाद भी जीलानी ने अंदर जाने का प्रयास किया लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें नहीं जाने दिया।आखिर उनका नामांकन पत्र जांच के बाद निरस्त कर दिया गया।जीलानी का कहना है कि मेरा नामांकन पत्र निरस्त हुआ है मुझे किसी तरह की कोई जानकारी नहीं दी गई।मैंने चुनाव आयोग में शिकायत कर दी है।हाईकोर्ट में पत्र निरस्त होने का मामला लेकर जाऊंगा। भोपाल लोकसभा सीट पर 28 उम्मीदवारों ने कुल 41 नामांकन जमा किए थे। शनिवार सुबह 11 बजे इनकी जांच की गई। कलेक्टर की मौजूदगी में हुई जांच में कांग्रेस की डमी प्रत्याशी जयश्री हरिकरण के तीन नामांकन निरस्त हो गए, जबकि उनका निर्दलीय नामांकन स्वीकार किया गया है। इसी तरह सोमश्री, प्रकाश और एके जीलानी के नामांकन भी निरस्त हो गए हैं। अब 25 उम्मीदवार बचे हैं।कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि निर्दलीय उम्मीदवार को नामांकन जमा करने के लिए 10 प्रस्तावक के हस्ताक्षर करवाना थे, लेकिन तीन उम्मीदवारों ने 10 -10 प्रस्तावक के हस्ताक्षर नहीं कराए। ऐसे में इन तीनों के नामांकन पत्र निरस्त कर दिए गए हैं।25 उम्मीदवारों के 35 नामांकन स्वीकार किए गए है। अब 22 अप्रैल दोपहर 3 बजे तक उम्मीदवार नाम वापस ले सकते हैं पिछले लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार अधिक होने से दो बीयू यानी बैलेट यूनिट लगी थी। इस बार भी यदि जांच और वापसी में 16 से अधिक नामांकन होते हैं तो भी दो बीयू लगाई जाएंगी।

राजस्थान से आई महिला निशानेबाज की पिस्टल चोरी

राष्ट्रीय स्पर्धा में हुनर दिखाने का सपना टूटा

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी में स्थित एमपी शूटिंग अकादमी में 10 मीटर एयर पिस्टल के नेशनल ट्रायल के लिए टीम का सिलेक्शन किया गया। इस चयन स्पर्धा में राजस्थान से भोपाल पहुंची अक्षरा शर्मा की 10 मीटर एयर पिस्टर चोरी हो जाने की वजह से वह टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले सकी।

दो दिन था ट्रायल

अक्षरा के पिता राकेश शर्मा ने बताया कि 18 अप्रैल को टूर्नामेंट में हिस्सा लेने भोपाल आए हुए थे। इस दौरान दूसरा ट्रायल 20 अप्रैल को था। बीच में एक दिन का समय होने के कारण वह उज्जैन महाकाल दर्शन के लिए बस से निकले। बस से सफर के दौरान उनकी बस देवास जिले के पास सोनकच्छ में पप्पू एंड पप्पू रिसार्ट पर नाश्ते के लिए रुकी। बाकी यात्रियों की तरह वह भी बस से उतरकर नाश्ता करने चले गए।

सीसीटीवी में नजर आया चोर

वह जब वापस आए तो उनका बैग गायब था। बैग में 10 मीटर एयर पिस्टल भी रखी हुई थी, जो कि लगभग एक लाख रुपये की थी।

बस में कैमरा चेक किया तो अज्ञात व्यक्ति नजर आया। उन्होंने कहा कि पिस्टल चोरी होने की वजह से बेटी की वर्षों की मेहनत पर पानी फिर गया और उसका राष्ट्रीय स्तर की स्पर्धा के लिए चयनित होने का सपना भी टूट गया। इसकी शिकायत उन्होंने देवास पुलिस में कर दी है, पुलिस ने उनकी शिकायत पर अपनी जांच शुरू कर दी है। 10 मीटर एयर पिस्टल न होने से वह स्पर्धा में भाग नहीं ले सकी।

सीधी में 13 फीसद घटा मतदान, पहले चरण में मप्र की 6 सीटों पर 67.76 रहा मत प्रतिशत

मध्य प्रदेश में पहले चरण की छह सीटों के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ। सीधी और शहडोल लोकसभा क्षेत्र में हुए कम मतदान ने रिकार्ड बनाए रखने का समीकरण बिगाड़ दिया। दरअसल, प्रदेश में पिछले दो लोकसभा चुनावों से मतदान की दर लगभग 10 प्रतिशत के हिसाब से बढ़ रही थी, लेकिन इस बार मतदान करीब साढ़े सात प्रतिशत कम रहा। छिंदवाड़ा और बालाघाट लोकसभा सीट पर स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर रही। बता दें, प्रदेश की इन छह सीटों पर 67.76 प्रतिशत औसत मतदान हुआ है। छिंदवाड़ा लोकसभा सीट पर सर्वाधिक 79.83 प्रतिशत मतदाताओं ने मताधिकार का उपयोग किया। वर्ष 2019 में प्रदेश में औसत 71.16 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो कि इन छह सीटों के औसत मतदान से 3.4 प्रतिशत अधिक था। पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में सीधी में सर्वाधिक 13 प्रतिशत और छिंदवाड़ा में सबसे कम 2.56 प्रतिशत की कमी आई है। निर्वाचन आयोग द्वारा शनिवार को जारी मतदान के अंतिम आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। प्रदेश में अभी तीन चरणों में क्रमश- 26 अप्रैल, सात मई और 13 मई को बची 23 सीटों के लिए मतदान होना है। इनमें लगभग 75 प्रतिशत मतदान होगा, तभी पूरे प्रदेश में लोकसभा चुनाव का औसत मतदान पिछली बार से आगे निकल पाएगा।आगामी चरणों में मतदान बढ़ाने के लिए राजनीतिक दल और निर्वाचन आयोग भी प्रयास करेगा, पर मौसम बड़ी चुनौती हो सकता है। गर्मी बढ़ने पर मतदान पर प्रतिकूल असर पड़ सकता है। दूसरी बात यह कि चुनाव लोकसभा का हो या विधानसभा का, इन छह सीटों पर प्रदेश के औसत से अधिक मतदान होता रहा है।

साम्पदकीय

ईवीएम का औचित्य

आम चुनाव, 2024 के लिए मतदान की शुरूआत हो चुकी है। देश के 17 राज्यों और 7 संघशासित क्षेत्रों की 102 लोकसभा सीटों पर प्रथम चरण का मतदान हो चुका है। जनादेश का एक हिस्सा उन ईवीएम में ही दर्ज हो चुका है, जिन पर अधिकतर विपक्षी दल प्रलाप कर रहे हैं। वे दल चुनावी दौड़ में शामिल हैं, उनके सांसद और विधायक चुने जाने हैं, लेकिन वे ईवीएम पर अब भी संदेह कर रहे हैं। कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने यहां तक दावा किया है कि यदि ईवीएम में गड़बड़ी नहीं की गई है, तो भाजपा को 180 से कम सीटें मिलेंगी। यानी विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' मुगालते में है कि ईवीएम के जरिए ही जो मतदान होगा, उससे जनादेश उन्हें ही मिलने वाला है। तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, केरल, ओडिशा, आंध्रप्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और पंजाब आदि राज्यों में गैर-भाजपा दलों की आज भी सरकारें हैं, जो ईवीएम के जरिए ही बनी हैं। चुनावी पराजय से पूर्व राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश में भी 2018 में कांग्रेस सत्तारूढ़ हुई थी। तब भी मतदान ईवीएम के जरिए ही हुआ था। एक बार फिर यह मामला सर्वोच्च अदालत के विचाराधीन है। दो न्यायाधीशों की खंडपीठ ने फैसला सुरक्षित रखा है। दरअसल सवाल यह है कि विपक्ष इतना दोगला क्यों है? संवैधानिक व्यवस्थाओं के ही खिलाफ क्यों है? ईवीएम का इस्तेमाल छोड़ कर मतपत्रों वाले मतदान के पाषाणकाल की ओर लौटना क्यों चाहता है? हालांकि बूथ छापने, लूटने और फर्जी मतदान के उस दौर को सर्वोच्च अदालत खारिज कर चुकी है। ईवीएम की शुरूआत कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के ही दौरान हुई थी। 2004 के उस दौर से लेकर आज तक करीब 340 करोड़ मतदाता अपने संवैधानिक मताधिकार का इस्तेमाल कर चुके हैं और 4 लोकसभा चुनाव ईवीएम के जरिए सम्पन्न कराए जा चुके हैं। 26 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में वीवीपैट पर्ची का भी इस्तेमाल किया जा चुका है। एक आम चुनाव में 55 लाख से अधिक ईवीएम का इस्तेमाल किया जाता है और करीब 1.5 करोड़ चुनावकर्मी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लेते हैं। सभी एक विशेष पार्टी के पक्षधर हो जाएं या ईवीएम का प्रोग्राम एक ही पार्टी के पक्ष में तय कर दिया जाए और इतने चुनावकर्मी एक साथ ह्यभ्रष्टह्ल हो जाएं, यह बिल्कुल भी संभव नहीं है। ईवीएम किसी लैपटॉप, कम्प्यूटर अथवा इंटरनेट नेटवर्क से जुड़ी हुई नहीं है, उसे हैक करना या छेड़छाड़ करना भी संभव नहीं है, अलबत्ता मशीन में तकनीकी खराबी जरूर आ सकती है। उस स्थिति में ईवीएम बदलने की पारदर्शी व्यवस्था है। चुनाव आयोग ने अदालत में अपना समूचा पक्ष रखा है। वीवीपैट पर्ची और वोटिंग के आपसी मिलान पर भी स्पष्टीकरण दिया है। पर्ची 7 सेकंड के लिए दिखती है। उसके बाद पर्ची मशीन में ही चली जाती है। न्यायिक पीठ को बताया गया कि पर्ची को मतदाता को देना जोखिम का काम है। इससे गोपनीयता भंग हो सकती है और बाहर निकालने पर पर्ची का दुरुपयोग भी किया जा सकता है। याचिकाकर्ता एडीआर ने मतदान और पर्ची की 100 फीसदी क्रॉस चेकिंग की मांग की है। अब चुनाव की निष्पक्षता, ईमानदारी बरकरार रहे, मतदाताओं के जेहन में लेशमात्र भी संदेह नहीं होना चाहिए और आयोग की संवैधानिक स्वायत्तता भी बनी रहे, उस संदर्भ में अदालत को निर्णय देना है। ईवीएम को लेकर अक्सर प्रलाप मचाया जाता रहा है और चुनाव आयोग को भी कटघरे में खड़ा किया जाता रहा है, यह प्रवृत्ति दुराग्रहपूर्ण है। आयोग ने ईवीएम को हैक करने या उसके सिस्टम से छेड़छाड़ करने के मद्देनजर सभी राजनीतिक दलों को आमंत्रित किया था, कुछ दल गए भी, लेकिन कोई भी आपत्ति नहीं उठा सका या गड़बड़ी को साबित नहीं कर सका। अपने पक्ष के विजयी जनादेशों को विपक्ष शानदार हुंकार के साथ स्वीकार भी करता रहा। क्या एक संवैधानिक व्यवस्था ऐसे काम कर सकती है? न्यायिक पीठ के सामने चुनाव आयोग ने खुलासा किया कि 4 करोड़ ईवीएम वोट और वीवीपैट पर्चियों के मिलान कराए गए हैं। बहरहाल अदालती फैसले की प्रतीक्षा है।

स्वयं सत्य को खोजें,सभी से मैत्री रखें

आत्मनः प्रतिकूलानि परेषां न समाचरेत् दुनिया की सभी आत्माओं का स्वरूप एक है, अतः हम दूसरों के प्रति वही विचार एवं व्यवहार रखें, जो हमें स्वयं के लिए पसन्द हो। संसार जाति, धर्म, भाषा, राष्ट्रीयता जैसे अनेक घटकों के बीच विभाजित है लेकिन जैन धर्म कहता है ह्यमित्ती में सव्व भूएसुह्ल अर्थात सभी प्राणी मेरे मित्रवत हैं। इस एक सिद्धांत ने ही जाति, वर्ग, वर्ण, लिंग, भाषा, क्षेत्र आदि सभी भेद की दीवारों को ध्वस्त कर देने की शक्ति छुपी है। भगवान महावीर स्वामी, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर केवल एक संत या आध्यात्मिक गुरु ही नहीं थे बल्कि वो एक महान दार्शनिक और मनोवैज्ञानिक भी थे। शरीर रूपी प्रयोगशाला के साथ वर्षों की कठोर साधना (शोध) के पश्चात महावीर की आत्मा ज्ञानशक्ति के उस चरमोत्कर्ष पर पहुंची जिसे केवलज्ञान कहा जाता है। महावीर ने कहा था - ह्यअप्पणा सच्च मेसेज्जां मेत्ति भूएसु कप्पएह्ल, स्वयं सत्य को खोजें एवं सबके साथ मैत्री करें। यही उनके जीयो और जीने दो सिद्धान्त का मूल कारक है । महावीर के प्रमुख सिद्धांत है अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत। अहिंसा = हिंसा दूसरे को भयभीत करती है। हम अपने को बचाते हैं, दूसरे में भय पैदा करके। व्यक्ति भी ऐसे ही जीते हैं, समाज भी ऐसे ही जीते हैं और राष्ट्र भी ऐसे ही जीते हैं। वस्तुतः सारा जगत भय और भय जनित हिंसा में जीता है। महावीर कहते हैं, सिर्फ अहिंसक ही अभय अवस्था को प्राप्त कर सकता है क्योंकि अहिंसा परमो धर्मः, अहिंसा ही सबसे बड़ा धर्म है, अहिंसा ही परम ब्रह्म है। अहिंसा ही सुख शांति देने वाली है। अहिंसा ही संसार का उद्धार करने वाली है। यही मानव का सच्चा धर्म है, और यही मानव का सच्चा कर्म भी है। भगवान महावीर कहते हैं कि व सयं तिवयए पाणे, अद्वन्नेहि घायए, हणंतं वाणुजणाइ, वेरं वड्ठर अप्पनो अर्थात जो मनुष्य स्वयं हिंसा करता है या दूसरों से हिंसा करवाता है और हिंसा करने वालों का अनुमोदन करता है, वह संसार में बैर को बढ़ावा देता है । महावीर कहते हैं यह शाश्वत सत्य है कि कितने भी जतन करलो मौत तो आ ही जाती है फिर भी मरने के आखिरी क्षण तक हम जीना ही चाहते हैं, यह जीवेषणा यानि जीने की आकांक्षा ही हिंसा का आधारभूत भाव ही है। महावीर कहते हैं कि मृत्यु को स्वीकार कर लेना ही अहिंसा है। मृत्यु को परिपूर्ण भाव से स्वीकार कर लेने के पश्चात मैं किसी अन्य के जीवन को आघात पहुंचाने के लिए जरा भी उत्सुक नहीं रह जाता। जिस दिन मेरे लिए जीवन का कोई मूल्य नहीं रह जाता उस दिन मेरे लिए मृत्यु शून्य हो जाती है, और उसी दिन उस महाजीवन के, उस परम जीवन के द्वार खुलते हैं जिसका कोई अंत नहीं जिसका कोई प्रारंभ नहीं, जिस पर कभी कोई बीमारी नहीं आती और जिस पर कभी दुख और पीड़ा नहीं उतरती। और इस परम जीवन को बचाने की कोई जरूरत ही नहीं है। इसे कोई मिटा नहीं सकता, क्योंकि इसके मिटने का कोई उपाय ही नहीं है। इस परम जीवन को जानकर व्यक्ति अभय हो जाता है। और जो अभय हो जाता है, वह दूसरे को भयभीत नहीं करता। अनेकांत = महावीर ने कहा था हमें अपनी आस्थाओं के साथ-साथ दूसरों के दृष्टिकोण का भी सम्मान करना चाहिए, यही अनेकांत यानि अनेकता में एकता का सिद्धांत है। मनुष्य हर बात को अपने नजरिये से देखता है और सोचता है कि जो मैं समझ रहा हूं वही सही है। सारी समस्याएं, द्वेष, विद्रोह आदि इसी कारण से होते हैं कि हम किसी भी बात का मात्र वही पहलू देखना चाहते हैं जो हमारे स्वार्थो के सबसे करीब होता है। महावीर का मानना था कि समानता व सह-अस्तित्व में अधिकार के साथ आदर की भी भावना निहित है। सह-अस्तित्व है तो ही स्व-अस्तित्व सुरक्षित है। यही वह अनेकांतपरक चिंतन है, जो विद्रोहों, झगड़ों और समस्याओं से हमें मुक्त रख सकता है। अनेकांत का सिद्धान्त बताता है कि वैचारिक भिन्नता एक वास्तविकता है, सहमति और असहमति वैचारिक भिन्नता से उपजे दो कारक हैं, लेकिन इनमें से कोई भी कारक हमें यह निर्णय लेने का अधिकार नहीं देता कि जिस विचार, जिस सोच से हम सहमत नहीं है उसे हम नकार दें। अनेकांत दृष्टि के मूल में दो तत्व हैं, पूर्णता और यथार्थता। जो पूर्ण है और पूर्ण होकर यथार्थ रूप में प्रतीत होता है, वही सत्य है। अपरिग्रह = महावीर परिग्रह को हिंसा कहते हैं और अपरिग्रह को अहिंसा। आपके पास कोई वस्तु है, आपका उससे कितना मोह है, कितना आप उसको पकड़े हुए हैं, कितना आपने उस वस्तु को अपनी आत्मा में बसा लिया है कि सारी जिंदगी उठते-बैठते, क्या मेरा है, कहीं कोई और तो मेरे उस पर कब्जा नहीं कर रहा है इसकी फिक्र रहती है। जमीन का वह टुकड़ा , जिसको आप अपना कह रहे हैं, आपसे पहले कितने लोग उसे अपना कह चुके हैं। कितने लोग उसके दावेदार हो चुके हैं। दावेदार आते हैं और चले जाते हैं और जमीन का टुकड़ा अपनी जगह ही रहता है। दावे सब काल्पनिक हैं आप ही दावा करते हैं, आप ही दूसरे दावेदारों से लड़ लेते हैं, मुकदमे हो जाते हैं, सिर खुल जाते हैं और हत्याएं भी हो जाती हैं। हमारे जीवन में हिंसा इसीलिए है कि बिना मारे मालिक होना मुश्किल है। क्योंकि दूसरा भी मालिक होना चाहता है। अगर वह जिंदा रहेगा तो वह मालिक होने का प्रयत्न करता रहेगा। महावीर की उत्सुकता समानता में नहीं अहिंसा में है। वे कहते हैं अहिंसा के फैलाव से ही समानता संभव है। महावीर जिस दिन खुले आकाश के नीचे आकर निर्वस्त्र खड़े हो गये, उस दिन उन्होने कहा कि मैं हिंसा को छोड़ता हूं, इसलिए सब सुरक्षा छोड़ता हूं। इसलिए सब आक्रमण के उपाय छोड़ता हूं। अब मैं निहत्था, निशस्त्र, शून्यवत भटकूंगा। अब मेरी कोई सुरक्षा नहीं, अब मेरा कोई आक्रमण नहीं तो अब मेरी कोई संपत्ती कैसे हो सकती है। अहिंसक की कोई संपत्ती नहीं होती। अगर कोई अपनी लंगोटी पर भी अपनी मालकियत बताता है और दावा करता है कि यह लंगोटी मेरी है तो वह अहिंसक नहीं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि महल मेरा है या कि लंगोटी मेरी है। वह मालकियत का भाव ही हिंसा है। इस लंगोटी पर भी गर्दनें कट सकती हैं। और यह मालकियत बहुत सूक्ष्म होती चली जाती है। धन छोड़ देता है आदमी, लेकिन कहता है, धर्म मेरा है। महावीर ने कहा है कि आग्रह भी हिंसा है। यह अति सूक्ष?म बात है। आग्रह हिंसा है, अनाग्रह अहिंसा है। महावीर कहते हैं कि वैचारिक संपदा को अपना मानना भी हिंसा है। क्योंकि जब भी हम यह कहते हैं कि यह मेरा विचार है, इसलिए सत्य है, तब हम यह नहीं कहते कि जो मैं कह रहा हूं वह सत्य है, तब हम यह कहते हैं कि मैं ही सत्य हूं और जब मैं स्वयं सत्य हूं तो मेरा विचार तो सत्य होगा ही। इस जगत में जितने भी विवाद हैं वे सत्य के विवाद नहीं हैं। वे सब इसी मैं के विवाद हैं। अहिंसा, अनेकांत और अपरिग्रह दरअसल एक ही मूल सिद्धान्त के तीन पहलू हैं, अहिंसा का आचार, अनेकांत का विचार और अपरिग्रह का व्यवहार मनुष्य के जीव जीवीन को चेतना के ऊर्ध्वमुखी सोपानों पर ले जाता है।

वैष्णव तिलक, मावे और भांग के सजे बाबा महाकाल, त्रयोदशी पर दिखाई दिया ऐसा स्वरूप

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज चैत्र शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि पर रविवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारी ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजून किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट, रुद्राक्ष और पुष्पों की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि रविवार की भस्मआरती में बाबा महाकाल को भांग मावे और वैष्णव तिलक का श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई और भोग भी लगाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की और से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

भीषण गर्मी में बाबा महाकाल को राहत पहुंचाएगा 11 नदियों का जल, 24 से गर्भगृह में होंगे यह खास इंतजाम

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आए दिन कोई न कोई बदलाव होता ही रहता है। फिर चाहे यह बदलाव दर्शन व्यवस्था को लेकर हो या फिर पूजन से संबंधित। लेकिन, 24 अप्रैल से महाकाल मंदिर में एक ऐसा बदलाव किया जाने वाला है जिससे बाबा महाकाल को वैशाख और ज्येष्ठ महीने में होने वाली गर्मी से बचाया जा सकेगा। इस बदलाव की तैयारियां मंदिर में शुरू की जा चुकी हैं और अब सिर्फ गर्भगृह में 11 मटकियों लगाए जाने का इंतजार है। श्री महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी पंडित अभिषेक शर्मा (बाला गुरु) ने बताया कि वैशाख कृष्ण प्रतिपदा 24 अप्रैल बुधवार से मंदिर के पंडित और पुजारी मिलकर ठंडे पानी की गलंतिका शिवलिंग के ऊपर बांधेंगे। इसमें से लगातार शिवलिंग पर जल आता रहेगा, जिससे भगवान शिव शीतलता का अनुभव करेंगे। 2 महीने तक भगवान को इसी जतन से तपती गर्मी से बचाया जा सकेगा। पंडित बाला गुरु ने बताया कि भगवान महाकालेश्वर को वैशाख और ज्येष्ठ महीने की तपती गर्मी से बचाने के लिए पुजारी-पुरोहित हर साल शिवलिंग के ऊपर 11 मटकी बांधते हैं। इन मटकियों से सुबह भस्मआरती से लेकर संध्या पूजन से पहले तक भगवान महाकाल पर ठंडे जल की धारा प्रवाहित की जाती है।पंडित महेश गुरु ने बताया कि वैशाख कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा पर मंदिर के गर्भग्रह में यह मटकिया लगाई जाती हैं। 11 मटकियों में अलग-अलग नदियों का जल जैसे कि गंगा, यमुना, सरस्वती, कावेरी, नर्मदा, शिप्रा अन्य नदियों का जल लाया जाता है और फिर इन मटकियों के ऊपर इन नदियों के नामों को भी लिखा जाता है। इन मटकियों को गलंतिका कहा जाता है जिससे भगवान के शीश पर सतत शीतल जलधारा प्रवाहित की जाटी है। ज्योतिर्लिंग की परंपरा अनुसार वैशाख कृष्ण प्रतिपदा से ज्येष्ठ पूर्णिमा तक दो माह प्रतिदिन सुबह 6 बजे से शाम 4 बजे तक गलंतिका बांधी जाती है।

जानना जरूरी हैः महर्षि अगस्त्य क्यों पी गए सारा समुद्र, कालकेयों से संसार को कैसे दिलाई मुक्ति?

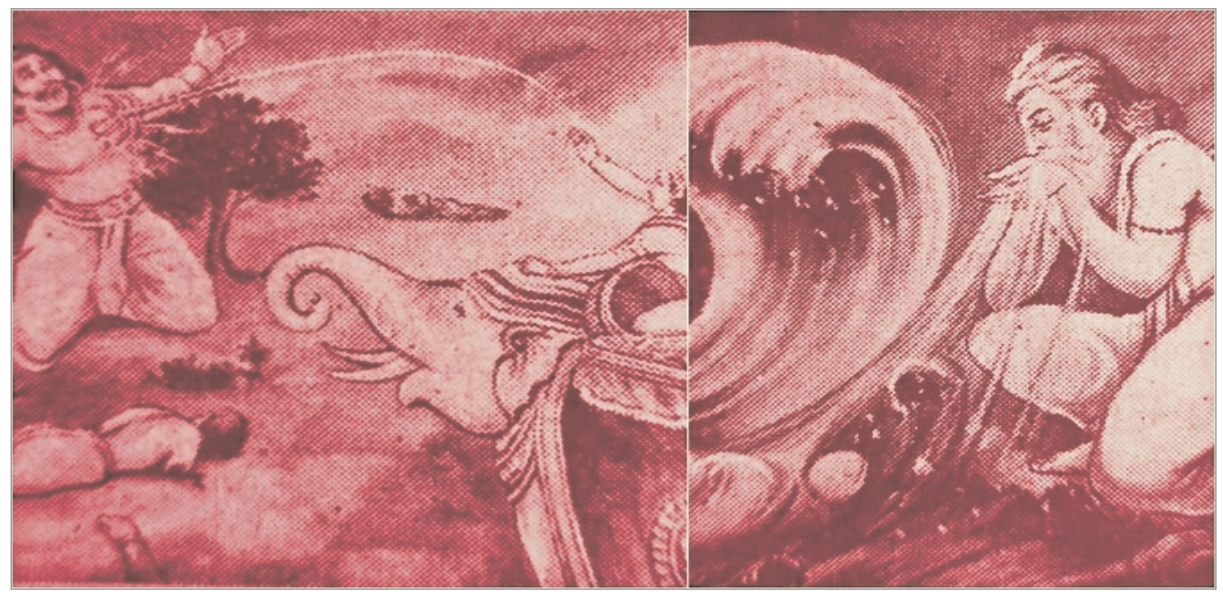

वृत्रासुर ने देवताओं और ऋषि-मुनियों पर इतना अत्याचार किया कि उसका वध करना अनिवार्य हो गया। अंततः, देवराज इंद्र ने महर्षि दधीचि की अस्थियों से निर्मित वज्र से वृत्रासुर को मार डाला। वृत्रासुर के वध से कालकेय नाम के राक्षसों ने ऋषियों से प्रतिशोध लेने की योजना बनाई। कालकेय समुद्र-तल में रहने लगे। वे रात्रि के अंधकार में बाहर निकलकर आश्रमों में सोते हुए ऋषियों की हत्या कर देते और दोबारा पानी में जा छिपते थे। कालकेयों ने बड़ी संख्या में ऋषियों की हत्या कर दी। ऋषि-समुदाय के लिए यह चिंता की बात थी। वे सब मिलकर भगवान विष्णु के पास गए। विष्णु ने ऋषियों से कहा, 'आपकी इस समस्या का समाधान केवल महर्षि अगस्त्य के पास है। अगस्त्य, अग्निदेव के अवतार हैं। उनके पास असाधारण शक्तियां हैं और वह अत्यंत दयालु भी हैं। वह किसी को निराश नहीं करते। आप उनके पास अपनी समस्या लेकर जाएंगे, तो वह अवश्य ही सहायता करेंगे।' यह कहकर विष्णु फिर ध्यान में लीन हो गए। ऋषिगण समझ गए कि भगवान विष्णु उनकी इससे अधिक सहायता नहीं कर सकते थे। इसलिए उन्होंने अगस्त्य मुनि के पास जाने का निश्चय किया। सारे ऋषि-मुनि मिलकर महर्षि अगस्त्य के पास पहुंचे और उन्होंने अगस्त्य को अपनी समस्या बताई। 'महर्षि, हम पर भारी संकट टूट पड़ा है। समुद्र में बड़ी संख्या में कालकेय असुर छिपे हुए हैं। वे रात्रि के समय बाहर निकलकर सोते हुए ऋषि-मुनियों की हत्या कर देते हैं और सुबह होने से पूर्व फिर समुद्र में छिप जाते हैं। इस कारण ऋषियों की संख्या घटती जा रही है। कालकेय रात्रि में आक्रमण करते हैं, इसलिए उन्हें कोई देख भी नहीं पाता। रात्रि में उनकी शक्ति भी कई गुना बढ़ जाती है। भगवान विष्णु ने कहा है कि केवल आप हमारी सहायता कर सकते हैं। हम आपके पास बहुत आशा लेकर आए हैं। ऋषियों की सहायता करना आपका धर्म है।' यह सुनकर महर्षि अगस्त्य सोच में डूब गए। फिर कुछ देर बाद उन्होंने कहा, 'कालकेयों को समुद्र से बाहर निकाले बिना उन्हें मारना संभव नहीं है। परंतु आप सब चिंता न करें। मैं आपकी सहायता अवश्य करूंगा। मेरे साथ चलिए!' यह कहकर अगस्त्य सभी ऋषि-मुनियों को साथ लेकर समुद्र-तट पर पहुंच गए। इस बीच उन्होंने देवराज इंद्र से देवताओं की सेना के साथ समुद्र-तट पर तैयार रहने को कह दिया। ऋषि-मुनि यह देखने को उत्सुक थे कि दिन के प्रकाश में अगस्त्य निशाचर कालकेयों को कैसे नियंत्रित करने वाले थे। महर्षि अगस्त्य तट पर बैठ गए। उन्होंने अपने योगबल से देखा कि सचमुच बहुत बड़ी संख्या में कालकेय समुद्र तल में छिपे हुए थे। इसके बाद महर्षि अगस्त्य ने एक मंत्र का उच्चारण आरंभ कर दिया। मंत्र के प्रभाव से कुछ ही देर में समुद्र में ऊंची-ऊंची लहरें उठने लगीं, जिन्हें देखकर तट पर खड़े ऋषि-मुनि घबराकर पीछे हट गए। परंतु अगस्त्य अपने स्थान पर डटे रहे। अगस्त्य मुनि ने समुद्र का जल अंजुलि में भरकर पीना शुरू कर दिया। समुद्र-जल की अटूट धारा अगस्त्य की अंजुलि में भरती गई और अगस्त्य उसे पीते गए। ऋषियों को अपनी आंखों पर विश्वास नहीं हो रहा था। कुछ ही देर में समुद्र का जल-स्तर घटने लगा और पानी में छिपे कालकेय असुर दिखाई देने लगे। आखिरकार, अगस्त्य ने समुद्र का सारा पानी पी लिया! कालकेयों के छिपने के लिए अब कोई स्थान नहीं बचा था। विवश होकर वे सब समुद्र से बाहर निकल आए। अगस्त्य की योजनानुसार, समुद्र-तट पर देवताओं की सेना पहले से तैयार खड़ी थी। कालकेयों के बाहर निकलते ही देवताओं ने उन्हें घेर लिया। कालकेयों और देवताओं में घमासान युद्ध हुआ, जिसमें कालकेय परास्त हुए और उनमें से अधिकतर मारे भी गए। इस तरह महर्षि अगस्त्य ने समुद्र का जल पीकर कालकेयों से संसार को मुक्ति दिलाई।

बरसाती का 400 रुपये किराया, 200 का पेट्रोल 200 में खाना, बाकी 200 में हम ऐश करते थे

अबकी बार की चुनावी चर्चा से अभिनेता शेखर सुमन कोसों दूर हैं। सियासत से उन्हें कोई गिला भी नहीं है और न ही इससे इनकार है। बस, वह इन दिनों अपनी वेब सीरीज 'हीरामंडी' की रिलीज की तैयारियां कर रहे हैं और अपने बेटे अध्ययन के साथ इस सीरीज में किए गए किरदारों को खूब याद कर रहे हैं। मुंबई के पॉश इलाके अंधेरी पश्चिम की एक गगनचुंबी इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर रहने वाले शेखर सुमन की शख्सीयत के लोग आज भी कायल हैं। जमीन से जुड़े, बातों में बेफिक्री और दिल मिल जाए तो ठट्ठा लगाकर हंसना उनको खूब भाता है। इस एक घंटे लंबी बातचीत में शेखर सुमन ने याद किया है, अपना वो सफर जिसे उन्होंने पहली बार खुलकर बयां किया है, 'अमर उजाला' के सलाहकार संपादक पंकज शुक्ल के सामने।

आपकी पहली फिल्म 'उत्सव' से लेकर 'हीरामंडी' तक एक विशेष कालखंड की कहानियों का एक चक्र सा पूरा होता दिख रहा है..

जी हां, 26 सितंबर 1985 को रिलीज फिल्म 'उत्सव' से गिनें तो अगले साल इसके 40 साल पूरे हो जाएंगे। 'हीरामंडी' में भी वैसा ही माहौल है। वैसा ही पीरियड सिनेमा, उतने ही भव्य सेट, उतने ही महान फिल्मकार। 'उत्सव' में शशि कपूर, गिरीश कर्नाड, रेखा के साथ काम करना, भी एक कमाल का दौर था। एक कमाल ये भी था कि बंबई (अब मुंबई) आए हुए अभी मुझे दो हफ्ते भी नहीं हुए थे और मुझे ये फिल्म मिल गई थी। इसे ही किस्मत कहते हैं। ये सारा नसीब में होता है।

मैं 'उत्सव' और 'हीरामंडी' दोनों में अभिनय का मौका मिलने को लेकर आपकी प्रतिक्रियाएं जाना चाहूंगा। पहले 'हीरामंडी' की बात करते हैं..

भंसाली साब के साथ एक मौका मिला था मुझे फिल्म 'देवदास' में काम करने का जो मैं नहीं कर पाया, वह चुन्नीलाल का रोल था। उनके लिए दिल में बहुत एहतराम है। हमेशा से उनके लिए बहुत सारा प्यार और अकीदत रही है। मुझे यूं लगता है कि जो बड़े फिल्ममेकर रहे हैं जैसे गुरुदत्त, कमाल अमरोही, के आसिफ साब, राज कपूर, बिमल रॉय आदि, इन सबकी मानवीय भावों पर बहुत जबरदस्त पकड़ रही है। खासतौर से गुरुदत्त और राज कपूर जैसे फिल्मकार जब साहिर और शैलेंद्र जैसे गीतकारों के साथ मिलकर कुछ रचते थे तो उसका असर विलक्षणकारी होता था। किरदारों की नब्ज पकड़ लेना और इन किरदारों के भीतर जहनी और रूहानी तौर पर चले जाना ही एक फिल्मकार की जीत है।

संजय लीला भंसाली की पहली फिल्म आपने कौन सी देखी कि क्या प्रतिक्रिया थी फिल्म के निर्देशन को लेकर आपकी? मैंने उनकी पहली फिल्म 'खामोशी' जब देखी तो मुझे लगा कि इस निर्देशक में कोई बात है। उनके अब के सिनेमा के मुकाबले उसमें कोई भव्यता नहीं थी। लेकिन, मानवीय भावनाओं पर उनकी वो पकड़ कमाल थी। नाना पाटेकर और सीमा बिस्वास के किरदार, और उनका मनीषा कोइराला के किरदार के बीच जो समीकरण बना है, वह बहुत खूबसूरत है। 'हम दिल दे चुके सनम' तक आते आते वह थोड़ा कमर्शियल हुए लेकिन इसके बावजूद, जो सारे रिश्ते उन्होंने इस फिल्म में बनाए, अजय देवगन, सलमान और ऐश्वर्या के किरदारों के बीच या कि ऐश्वर्या के किरदार और उनके पिता के बीच, वह एक बहुत ही जज्बाती इंसान ही ऐसा कर सकता है।

यहां से ठीक 40 साल पीछे आपको ले जाना चाहता हूं, जब 20 साल का पटना का एक लड़का मुंबई आया और आते ही उसे शशि कपूर और गिरीश कर्नाड के साथ काम करने का मौका मिला। कितनी रातों तक फिर नींद नहीं आई आपको? आज तक उस बात को सोचकर मेरी नींदें उड़ जाती हैं कि कैसे ये हुआ। जब मुझे ये बताया गया था। वह बिल्कुल अकल्पनीय था। ये हो नहीं सकता था। शशि कपूर जी ने जब मुझे पहली बार बताया था कि तुम फिल्म के लिए चुन लिए गए हो तो मैं पृथ्वी थियेटर से अंधेरी ईस्ट में रहने वाली अपनी बहन के घर, जहां मुंबई आने के बाद मैं रुका था, के घर तक पैदल भागते पहुंचा था। चप्पलें भी रास्ते में कहीं छूट गईं। बस का इंतजार करने का ख्याल तक नहीं आया।

और, शशि कपूर की फिल्म मिलना? कैसे हुआ ये? ये एक बहुत लंबी कहानी है, कई बार बता चुका हूं। सही तरीके से आज तक किसी पत्रकार ने इसे दर्शाया नहीं है। आप सुनना चाहते हैं तो फिर बताता हूं। आप सोचिए एक यंग सा लड़का। ख्वाब लिए हुए कि मुझे एक फिल्म हीरो बनना है। सपने देखता है कि सी बड़े सितारे के साथ काम करूंगा। बंबई आता है। ऐसे ख्वाब लिए सैकड़ों नौजवान आते हैं। ज्यादातर वापस चले जाते हैं। कुछ भ्रमित हो जाते हैं। कुछ किन्हीं और पेशों में अपनी मंजिल तलाश लेते हैं। उसमें एक छोटे से शहर का लड़का। वो भी बिहार का, जहां की जबान खराब मानी जाती है। कोई पृष्ठभूमि नहीं सिवाय इसके कि मैं एक्टर बनना चाहता था। मैंने ट्रेनिंग ली थी एक्टिंग में। लेकिन मैं एक ब्यूरोक्रेटिक फैमिली से था। पिताजी डॉक्टर। फैमिली में कोई आईएएस, तो कोई आईएफएस, उसमें कैसे ये ख्वाब और कहां और क्यूं पनपा? ये आज तक नहीं मालूम।

फिल्में देखकर ही लगा होगा कि हीरो बन सकता हूं? हां, जब मैं बड़ा हो रहा था तो पुरानी फिल्में जो दोबारा सिनेमाघरों में लगा करती थीं उन सबको देखने लगा। लोग कहते कि तुम इतने छोटे हो और ये दिलीप साब की फिल्म देखते हो, राज कपूर साब की फिल्में देखते हो, तुमको तो अब के जमाने की फिल्में देखनी चाहिए.. ..मतलब राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन? हां, यही कहते कि कहां तुम पीछे भाग रहे हो देव आनंद के जमाने में। लेकिन, मुझे वे फिल्में बड़ी अच्छी लगती थी और उस समय एक टिकट में दो खेल भी देखने को मिलते थे। बड़ा मजा आता था और मुझे याद है कि जब मैं बहुत छोटा था तो मैंने बिमल रॉय वाली देवदास देखी थी और वो शरत चंद्र की कहानी, उसकी खूबसूरती और दिलीप साब की अदायगी वो सब इतनी खूबसूरती से बनी थी वो फिल्म। तो मुंबई आपका आना योजनाबद्ध तरीके से हुआ या कि बस एक दिन परिवार को बिना बताए ही आ गए? नहीं, वो तो एक बहुत ही लोकतांत्रिक तरीके से हुआ। मैं पटना से दिल्ली गया था पढ़ाई करने। दिल्ली विश्वविद्यालय से पढ़ाई की और तब तक मैं बहुत बदल चुका था। एक इंसान के रूप में भी और चूंकि मैं एक पब्लिक स्कूल में पढ़ा बच्चा हूं तो मेरा दृष्टिकोण भी बहुत विस्तृत हो चुका था। हालांकि, दिल में मैं अब भी पटनिया हूं।

सनी-शरवरी के कथित अफेयर पर कपिल ने ले लिए मजे, भाई विक्की कौशल ने किया यह खुलासा

द ग्रेट इंडियन कपिल शो का चौथा एपिसोड रिलीज हो चुका है। इस बार शो में विक्की कौशल और उनके भाई सनी कौशल नजर आए। कपिल शर्मा के चुटकुलों पर लोगों ने जमकर ठहाके लगाए। शो में कपिल शर्मा, सनी कौशल की टांग खिंचाई करते हुए भी दिखे, जिस पर दर्शक लोट-पोट हो गए।

ऐसे वेलेंटाइन डे मनाते हैं विक्की शो की शुरुआत में कपिल शर्मा ने विक्की कौशल से वेलेंटाइन को लेकर सवाल पूछा। कपिल ने विक्की से सवाल किया कि शादी से पहले वे वेलेंटाइन डे को कैसे मनाते थे और शादी के बाद कैसे मनाते हैं। विक्की ने कपिल को जवाब देते हुए कहा कि पहले भी साथ में अच्छा समय बिताने के बारे में सोचते थे और अभी भी ऐसा ही करते हैं।

शरवरी के नाम से कपिल ने की सनी की खिंचाई कपिल शर्मा ने विक्की के भाई सनी से भी वेलेंटाइन को लेकर सवाल पूछा कि उन्हें क्या लगता है कि वैलेंटाइन डे केवल 14 शरवरी..14 फरवरी को होना चाहिए या फिर हर दिन। शरवरी सुनते ही लोग जोर से हंस पड़े। विक्की कौशल भी खुद को हंसने से रोक नहीं पाए। दरअसल, सनी के बारे में ऐसी अफवाह है कि वह अभिनेत्री शरवरी के साथ अफेयर में हैं। यही वजह है कि कपिल के फरवरी की जगह शरवरी बोलने पर सभी को हंसी आ गई। अपने सवाल के बहाने कपिल ने सनी कौशल की टांग खिंचाई भी कर दी। दोनों भाईयों ने सुनाए बचपन के किस्से शो में दोनों भाईयों ने अपने बचपन से जुड़े एक से बढ़कर एक मजेदार किस्से सुनाए। वहीं, सनी के सामने शरवरी का नाम आया तो विक्की कौशल ने शो में आगे बताया कि उनके भाई परफेक्ट हसबैंड मैटेरियल हैं। मालूम हो कि विक्की कौशल की आने वाली फिल्मों में छावा, बैड न्यूज और लव एंड वॉर शामिल हैं।

कम उम्र के हीरो के साथ रोमांस करना चाहती हैं मिस वर्ल्ड, अक्षय संग काम करने पर कही यह बात

मिस वर्ल्ड का खिताब जीतने के बाद मानुषी छिल्लर धीरे-धीरे बॉलीवुड में अपने पैर जमा रही हैं। उन्होंने फिल्म सम्राट पृथ्वीराज से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी। मानुषी इन दिनों अपनी फिल्म बड़े मियां छोटे मियां को लेकर चर्चा में चल रही हैं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने अपने से बड़े अक्षय कुमार के साथ रोमांस फरमाया है। हालांकि, इसके लिए अभिनेत्री को ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा है। अब हाल ही में, मानुषी ने इस पर चुप्पी तोड़ी है। बड़े मियां छोटे मियां में मानुषी अभिनेता अक्षय कुमार के साथ दिखाई दी हैं। एक तरफ जहां सोशल मीडिया उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री की सराहना की गई है। वहीं, दूसरी तरफ उनके बीच उम्र के महत्वपूर्ण अंतर ने इंटरनेट पर बहस छेड़ दी। हाल ही में, मानुषी ने इस मामले पर अपने विचार साझा किए। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। बातचीत के दौरान जब मानुषी छिल्लर और अक्षय कुमार के बीच उम्र के अंतर का विषय उठाया गया, तो अभिनेत्री ने एक सुपरस्टार के रूप में उनकी प्रशंसा की और उनकी उम्र की परवाह किए बिना उनके साथ काम करने की इछा व्यक्त की। उन्होंने बताया कि अक्षय के साथ काम करके उनका समय बहुत अछा गुजरा। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वह कास्टिंग संबंधी निर्णय नहीं लेती हैं और कास्टिंग निर्देशकों द्वारा चुने गए विकल्पों का सम्मान करती हैं। वह उन्हें दी गई भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करती हैं और एक सुपरस्टार के साथ काम करने के अवसर को महत्व देती हैं, क्योंकि इससे प्रोजेक्ट पर महत्व बना रहता है।

मानुषी ने कहा, सुपरस्टार के साथ काम करना अछा है। आपको अछा खासा स्क्रीन स्पेस मिलता है। अगर मैं अपनी पहली फिल्म के बारे में बात करूं तो उम्र का अंतर था, लेकिन हमने भूमिकाएं अछे से निभाई। हमने मार्केटिंग के लिए गाने बनाए, इसलिए उन्हें गाने के लिए दो लोगों को एक साथ रखना पड़ा, लेकिन यह ठीक है। मैं इसे कुछ ऐसा नहीं मानती, जो नहीं होना चाहिए था। मानुषी ने यह भी उम्मीद जताई कि उन्हें भविष्य में कम उम्र के हीरो के साथ रोमांस करने का मौका मिलेगा। सम्राट पृथ्वीराज के साथ अपनी शुरुआत करने के बाद, अभिनेत्री ने विक्की कौशल के साथ द ग्रेट इंडियन फैमिली में अभिनय किया। वह ऑपरेशन वैलेंटाइन में भी नजर आई थीं।

ईशा देओल ने कराई लिप सर्जरी!

हुईं ट्रोल, लोग बोले- राजनीति में आने के लिए चेहरा बदलना पड़ता है

हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की बेटी ईशा देओल की शादीशुदा जिंदगी बिखर चुकी है। भरत तख्तानी के साथ करीब 11 साल का वैवाहिक रिश्ता खत्म हो चुका है। दोनों ने अपने अलगाव की जानकारी सार्वजनिक की थी। अब हाल ही में, ईशा देओल मीडिया में स्पॉट हुई हैं। हालांकि, इस बार लोगों को उनका चेहरा काफी बदला लग रहा है। वहीं, कुछ यूजर्स दावा कर रहे हैं कि अभिनेत्री ने लिप सर्जरी करवाई है। आइए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है।

ईशा देओल ने कराई लिप सर्जरी?

ईशा देओल और उनकी बहन अहाना देओल को हाल ही में मथुरा का दौरा करते हुए देखा गया , दोनों माथे पर बिंदी लगाए पारंपरिक पोशाक में सजी हुई थीं। ईशा ने अपने परिवार के साथ कई कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने बांके बिहारी के दर्शन भी किए। इस कार्यक्रम की तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। हालांकि, इन तस्वीरों को लेकर अभिनेत्री की जमकर आलोचना भी की जा रही है।

सोशल मीडिया पर हुईं ट्रोल

नेटिजंस ने ईशा देओल की ऑनलाइन तस्वीरें देखकर आश्चर्य व्यक्त किया, विशेष रूप से होठों को देखकर। कमेंट्स में एक यूजर ने पूछा, ईशा देओल के होठों को क्या हुआ? दूसरे यूजर ने कहा,कभी समझ नहीं आएगा कि कलाकार लिप जॉब क्यों करते हैं। सच में, किस लिए एक और यूजर ने कहा, ईशा पर यह सर्जरी बिल्कुल अच्छी नहीं लग रही हैं। काफी बेकार लग रही हैं। राजनीति में आने के लिए छवि और चेहरा दोनों बदलना पड़ता है।

राजनीति में जल्द करेंगी एंट्री?

बता दें कि मथुरा में ईशा ने बांके बिहारी के दर्शन भी किए। बांके बिहारी में दर्शन करने के बाद वह मीडिया से रूबरू हुईं। बातों ही बातों में ईशा देओल ने बड़ी बात कह दी। ईशा ने राजनीति में कदम रखने का इशारा कर दिया। इससे पहले अभिनेत्री की मां ने भी बेटी की राजनीति में दिलचस्पी होने का खुलासा किया था, जिसके बाद ईशा की राजनीति में एंट्री को लेकर कयासों का बाजार गर्म हो गया था।

पिता नानी को फिल्म में देखकर चौंक गए अर्जुन!

5 साल बाद भी जर्सी का जलवा कायम

अभिनेता नानी की फिल्म जर्सी एक बार फिर से सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। शनिवार को इस फिल्म को रिलीज हुए 5 साल पूरे हो गए। 5 साल बाद फिर से रिलीज होने के बाद भी दर्शकों का उत्साह कम नहीं हुआ है। नानी के प्रशंसक फिल्म का पूरा मजा ले रहे हैं। जर्सी के निर्माताओं द्वारा इसे फिर से रिलीज करने के फैसले से लोग काफी खुश है। नानी भी अपने परिवार के साथ फिल्म को देखने गए, जिसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

पत्नी और बेटे ने भी लिया फिल्म का मजा

हैदराबाद स्थित एक थिएटर में नानी ने अपने प्रशंसकों के साथ अपनी फिल्म को देखा। जर्सी की रि-रिलीज के खास मौके पर नानी की अपनी पत्नी अंजना येलावर्ती और बेटे अर्जुन ने भी फिल्म का आनंद लिया। इस दौरान का एक वीडियो काफी वायरल हो रहा है। इस वीडियो को एक्स पर शेयर किया गया है।

फिल्म में पिता को देखकर खड़े हो गए अर्जुन

वायरल वीडियो में अर्जुन फिल्म देखते हुए काफी खुश नजर आ रहे हैं। उनके चेहरे से मुस्कुराहट जाने का नाम ही नहीं ले रही है। उन्हें चारों ओर से लोगों ने घेर रखा है। वीडियो उस वक्त का है जब फिल्म में एक अहम सीन चल रहा होता है, जिसे देखकर अर्जुन खड़े हो जाते हैं। पिता को स्क्रीन पर देखकर अर्जुन की खुशी का कोई ठिकाना ही नहीं रहा था। थिएटर में बैठे सभी लोगों के साथ नानी के बेटे की भी भावना जुड़ गई थी। वहीं, नानी अपने बेटे को प्यार से निहारते हुए नजर आए।

फिल्म ने जीता था राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार

जर्सी एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है, जिसमें नानी के अलावा रोनित कामरा, श्रद्धा श्रीनाथ और हरीश कल्याण जैसे कलाकारों ने काम किया है। फिल्म का निर्माण नागा वामसी ने किया है। जर्सी ने साल 2021 में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था। मालूम हो कि फिल्म को तेलुगु भाषा की सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म के साथ-साथ सर्वश्रेष्ठ संपादन का भी खिताब मिला था।

पहले चरण की पांच सीटों पर गिरे मतदान बढ़ गई राजनीतिक दलों को चौंकाया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, पहले चरण की सहारनपुर, कैराना, मुजफ्फरनगर, बिजनौर और नगीना समेत पांचों सीटों पर गिरे मतदान ने सभी राजनीतिक दलों की उलझनें बढ़ा दी हैं। कैराना लोकसभा सीट पर 17 लाख, 19 हजार, 11 मतदाता हैं। अबकी 61.17 फीसद मतदान हुआ। पिछली दफा 67.44 फीसद मतदान हुआ था। कुल प्रत्याशी 14 हैं। मुख्य मुकाबला मौजूदा भाजपा सांसद प्रदीप चौधरी और गठबंधन की सपा उम्मीदवार इकरा हसन के बीच रहा।

कैराना सीट पर दो-दो प्रमुख दलों ने जमकर चुनाव प्रचार किया लेकिन फिर भी 6.27 फीसद मत प्रतिशत गिरने से स्थिति उलझ गई। दोनों पक्ष अपनी-अपनी जीत के प्रति आश्वास्त हैं। बसपा के ठाकुर श्रीपाल राणा राजपूत बहुल इलाकों में ज्यादा सक्रिय रहे। हालांकि राजपूत समुदाय ने इकरा हसन को समर्थन दिया था लेकिन बसपा उम्मीदवार भी अपनी बिरादरी में हिस्सेदारी करते दिखे। कुछ स्थानों पर भाजपा ने भी राजपूतों का समर्थन मिलने का दावा किया।

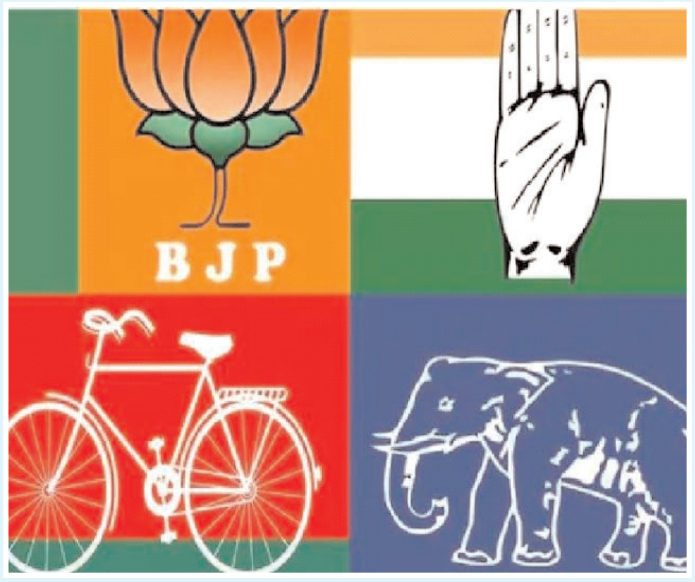

केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान के कारण मुजफ्फरनगर की वीआईपी सीट पर मतदान में आई 9 फीसद मतों की गिरावट भाजपा के उत्साह को कम करने वाली और चिंता ज्यादा बढ़ाने वाली मानी जा रही है। 18 लाख 41 हजार 497 मतदाताओं वाली इस सीट पर 2019 के चुनाव में 68.20 फीसद वोट पड़े थे और संजीव बालियान ने रालोद सुप्रीमो अजीत सिंह को पराजित कर दिया था। अबकी रालोद का समर्थन भाजपा के साथ था और जयंत चौधरी ने बालियान के पक्ष में कई सभाएं कीं। फिर भी मतदान 59.29 फीसद ही हो पाया। गठबंधन के सपा उम्मीदवार पूर्व सांसद हरेंद्र मलिक ने जाटों के गांवों में संजीव बालियान को बराबर की टक्कर दी। दोनों प्रमुख उम्मीदवार जाट होने के कारण जाट बहुल क्षेत्रों में कहीं भी बड़े पैमाने पर बूथ कैप्चरिंग नहीं हो पाई। बसपा के प्रजापति कुम्हार बिरादरी के प्रत्याशी दारा सिंह के पक्ष में दलितों के साथ-साथ अति पिछड़ा वर्ग के लोगों ने भारी मतदान किया। मैदान में कोई भी मुस्लिम उम्मीदवार नहीं होने से मुस्लिम मतों का एकतरफा रूझान सपा के पक्ष में दिखा। इस बार खाप पंचायतें और किसान यूनियन चुनाव में तटस्थ रहे। बिजनौर लोकसभा सीट पर भी मतदान प्रतिशत 6 फीसद गिरा। अबकी 58.21 फीसद वोट पड़े। पिछले चुनाव में 66.15 फीसद वोट पड़े थे। इस सीट पर 17 लाख 38 हजार 307 मतदाता हैं और 11 प्रत्याशी मैदान में हैं। पहले चरण में बिजनौर अकेली सीट है जहां से रालोद उम्मीदवार चुनाव लड़े हैं। मीरापुर के विधायक और रालोद के युवा मोर्चे के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंदन चौहान का मुकाबला सपा के दीपक सैनी और बसपा के चौधरी वीरेंद्र सिंह से हुआ। रालोद को भाजपा का समर्थन मिलने से चंदन चौहान ने शानदार प्रदर्शन किया जबकि मुस्लिम और दलित वोट सपा उम्मीदवार दीपक सैनी और बसपा उम्मीदवार चौधरी वीरेंद्र सिंह में बंट गए। मौजूदा सांसद मलूक नागर टिकट ना मिलने से मैदान से बाहर रहे। हालांकि वह लोकदल में शामिल हो गए थे लेकिन पूरे चुनाव के दौरान बिजनौर क्षेत्र में दिखाई नहीं दिए। चंदन चौहान के पक्ष में यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायाब सैनी और रालोद अध्यक्ष जयंत चौधरी ने सभाएं की थीं। चंदन चौहान के चुनाव में उनकी पत्नी याशिका चौहान स्टार प्रचारक की भूमिका में रहीं। तीनों प्रमुख उम्मीदवारों चंदन चौहान, दीपक सैनी और चौधरी वीरेंद्र सिंह का यह पहला लोकसभा चुनाव था। चंदन चौहान एक अनुभवी नेता की तरह सधा हुआ चुनाव लड़े।

नगीना सुरक्षित सीट पर 4 फीसद कम वोट पड़े। अबकी 59.54 फीसद वोट पड़े जबकि 2019 में 63.64 फीसद वोट पड़े। इस सीट पर 16 लाख 44 हजार 909 मतदाता हैं और कुल प्रत्याशी मैदान में छह हैं। तीन बार के भाजपा विधायक ओम कुमार, सेवानिवृत्त एडीजे मनोज कुमार और बसपा के सुरेंद्र कुमार और आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद प्रमुख उम्मीदवार रहे। चंद्रशेखर आजाद वीआईपी होने के कारण यहां आकर्षण का केंद्र बने रहे। उन्होंने दलित और मुस्लिम दोनों वर्गों को जमकर लुभाया।

सहारनपुर के देवबंद में श्रीबालाजी जन्मोत्सव पर निकाली गई विशाल एवं भव्य शोभायात्रा

जय श्री बालाजी के उद्घोष से गूंज उठा देवबंद

सहारनपुर। देवबंद, श्रीबालाजी जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में आज देवबंद नगर में बैंडबाजों व मनोरम झांकियों के साथ विशाल एवं भव्य शोभायात्रा बडे हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षणश्री बालाजी महाराज का स्वर्णिम रथ रहा। जिसे श्रद्धालु रस्सों की मदद से खींचकर चल रहे थे। साथ ही कीर्तन मंडलियां बाबा के भजनों का विशेष गुणगान करते हुए चल रही थी।श्री बालाजी धाम सेवा ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित शोभायात्रा में विभिन्न आकर्षक झांकियां शामिल रही। जबकि सबसे पीछे बालाजी महाराज का स्वर्णिम रथ था। जिसे श्रद्धालु रस्सों द्वारा हाथों से खींचकर चल रहे थे। स्वर्णिम रथ के आगे कीर्तन मंडली बाबा के भजनों पर नृत्य कर रही थी। शोभायात्रा रामलीला मैदान स्थित श्री बालाजी धाम मंदिर देवबंद से

आरंभ होकर एमबीडी चौक, मोहल्ला नेचलगढ़, शास्त्री चौक, सुभाष चौक, रेलवे रोड और मेन बाजार से होते हुए श्री बालाजी धाम मंदिर पर जाकर संपन्न हुई। वहीं शोभायात्रा में सुरक्षा के मद्देनजर चप्पे-चप्पे पर पुलिस की व्यवस्था चाक- चौबंद रही। इस मौके पर प्रमुख समाजसेवी राजकिशोर गुप्ता, अनुराग सिंघल, अशोक गुप्ता, विजय मंगल, हरिकिशन सिंघल, रोहित अग्रवाल, मनोज गर्ग, प्रदीप वर्मा, नरेंद्र त्यागी, पंकज अग्रवाल, शिवकुमार वर्मा, दीपक गर्ग, रविंद्र चौधरी, अनुज गर्ग, राजेश अजमानी, योगेंद्र गोयल, विनोद गुप्ता, आशुतोष गुप्ता, अमित सिंघल एडवोकेट, वरिष्ठ पत्रकार गौरव सिंघल, बिजेंद्र गुप्ता, राजकुमार जाटव, विपिन गर्ग, अजय गर्ग, पंकज गर्ग, विनोद प्रकाश गुप्ता, चौधरी राजपाल सिंह, शिक्षक मोहित आनंद, सीए ऋषभ गर्ग, निखिल अग्रवाल, गगन मित्तल समेत भारी संख्या में श्रद्धालु शामिल रहे।

सहारनपुर जिला अधिकारी डा. दिनेश चंद्र सिंहः पशुओं को लगातार पौष्टिक तत्व देने में नेपियर घास का महत्वपूर्ण स्थान

जनपद के कृषकों से की नेपियर घास उगाने की अपील

सहारनपुर, जिला अधिकारी डॉक्टर दिनेश चंद्र निर्वाचन संबंधी कार्यों से फुर्सत मिलते ही अपने आवास पर गोवंश का दुलार करने पंहुचे। आवास पर बनी गौशाला का निरीक्षण कर गौशाला में हरे चारे, भूसे, पानी, शेड आदि व्यवस्थाओं का जाएजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्हें सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक मिली। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र का गायों के प्रति प्रेम किसी से छुपा नहीं है। जिलाधिकारी जनपद में स्थित गौशालाओ में जाते रहते हैं। गायों को हरे चारे की कमी न हो इसके लिए उन्होंने नेपियर घास के उत्पादन को बढ़ावा दिया। उनके नेपियर घास के अभिनव प्रयास को प्रदेश भर में अपनाया जा रहा है। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने नेपियर घास के उत्पादन के बारे में बताते हुए कहा कि यह निरंतर

हरा चारा प्रबंधन की दिशा में अभिनव प्रयास है। उन्होंने कहा की इस घास को लगाने की विधि भी बहुत सरल है और यह लगभग 70 से 80 दिन में तैयार हो जाती है। यह पशुओं के लिए पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक होता है। उन्होंने कृषकों का आव्हान किया कि नेपियर घास की अधिक से अधिक बुवाई की जाए। नेपियर घास की बुवाई कर जनपद की विभिन्न गौशालाओं में वर्ष भर हरे चारे की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकती है। नेपियर घास से पशुओं में दूध की उत्पादकता बढ़ती है।

सहारनपुर, देवबंद के एल जनता इंटर कॉलेज देवबंद में इंटरमीडिएट एवं हाई स्कूल का रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा

कालेज प्रबंधक एवं प्रधानाचार्य ने छात्रों का मीठा मुंह कराकर उनका उत्साह वर्धन किया

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर, के एल जनता इंटर कॉलेज देवबंद में इंटरमीडिएट एवं हाई स्कूल का रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा। इंटरमीडिएट में कुमारी तानिया 90.2 अंक प्राप्त कर कॉलेज टॉपर प्रथम स्थान पर रही। दूसरे स्थान पर रही कुमारी कनिका ने 89.6 अंक प्राप्त किए। तीसरे स्थान पर रहे वंश वर्मा ने 89त्न अंक प्राप्त किये। कालेज प्रबंधक दीपक राज सिंघल एवं प्रधानाचार्य राजकुमार ने छात्रों का मीठा मुंह कराकर उनका उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर संजय धीमान, बलदेव राज शर्मा, आदेश कुमार, संदीप सैनी, ईश्वर सिंह, भारत गोयल, विनय चौहान उपस्थित रहे। हाई स्कूल में अकुल ने 92.3 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, वंशिका ने 89.8 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान व गौरव पांचाल ने 89.8 अंक प्राप्त कर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

चमारीखेड़ा को मिली वैश्विक पहचान

आंखों के डा. रोहन का अमेरिका में कीर्तिमान उन्हें मिलेगा धनवंतरि सम्मान

सहारनपुर, भारत में आजादी का नया सवेरा आते ही अंग्रेजी ज़माने में डाक्टरी पढ़े डा प्रह्लाद कुमार और उनकी पत्नी डा. सत्या कुमारी ने चमारीखेडा आई इंस्टीट्यूट की शुरुआत करके आंखों को रोशनी और देश में खादी और यज्ञ से संस्कार द्वारा चेतना दौड़ाने का एक ऐसा सिलसिला शुरू किया कि चमारीखेड़ा आंखों के इलाज के लिए सहारनपुर की सीमाओं को लांघते हुए उत्तराखंड और हरियाणा तक मशहूर हो गया। अक्सर माता-पिता, बच्चों को कुछ नए धंधे में लगने की प्रेरणा देते हैं और बच्चे भी माता- पिता के काम से मुंह मोड़कर कुछ नया ही करने की सोचते हैं लेकिन चमारीखेडा में एक नई मिसाल कायम करते हुए डा प्रह्लाद के बेटे डा आनंद ने नेत्र रोग विशेषज्ञ के रूप में ही बड़ी पहचान बनाते हुए तीसरी पीढ़ी के डा. रोहन मेहरा को ऐसा तैयार किया कि आज चमारीखेड़ा गांव आधुनिकतम चिकित्सा सुविधाओं के साथ नेत्र चिकित्सा सेवा के शताब्दी वर्ष की ओर बढ़ते हुए ऐसा अंतर्राष्ट्रीय फलक छू रहा है कि चमारीखेड़ा आई इंस्टिट्यूट के नेत्र चिकित्सक डॉ रोहन मेहरा ने एएससीआरएस सम्मेलन बॉस्टन अमेरिका में तीन दिन पूर्व ही तीन रिसर्च पेपर प्रस्तुत करने का नया कीर्तिमान बनाया है। यही वह नेत्र विज्ञान के यूथ आइकॉन के रूप में

पहचान पाते हुए अपनी सफलताओं से वह अमेरिकी मीडिया के भी ऐसे चहेते बन गए कि मीडिया ने उनका इंटरव्यू भी लिया। इससे पहले हाल ही में उन्हें ढ्ढद्धस्र् द्वारा संचालित ढ्ढस्ष्टक्रस् सम्मेलन नई दिल्ली में सबसे छोटी उम्र में यंग अचीवर सम्मान से नवाज़ा गया। नेत्र विज्ञान के क्षेत्र में बहुत प्रतिष्ठित माने -जाने वाला यह सम्मान उन्हें पूर्व क़ानून मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने प्रदान किया और निरंतर आगे बढ़ने का प्रोत्साहित किया। ज्ञातव्य है कि डॉ रोहन मेहरा को भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए बीते वर्ष मई के महीने में भी सैन डिएगो कैलिफ़ोर्निया में यंग प्रोडूसर पुरस्कार से नवाज़ा जा चुका है। मोक्षायतन अंतर्राष्ट्रीय योग संस्थान स्थित धनवंतरी देवालय में चिकित्सा विज्ञान को नया आसमान और चमारी खेड़ा गांव को नई पहचान देने के लिए उनको संस्थान की ओर से धनवंतरी सम्मान दिए जाने की घोषणा की गई है।

नेशनल लोक अदालत की तैयारी के लिए बैठक संपन्न
11 मई को होगा नेशनल लोक अदालत का आयोजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार 11 मई को जिला मुख्यालय तथा तहसील मुख्यालय शुजालपुर न्यायालय परिसर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन होगा। जिसे सफल बनाये जाने के लिए किए जा रहे प्रयासो की श्रृंखला में प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष ललित किशोर के मार्गदर्शन में जिला न्यायाधीश एवं सचिव सिराज अली के नेतृत्व में शनिवार को एडीआर भवन में विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई।

बैठक के दौरान जिला न्यायाधीश एवं सचिव सिराज अली ने आगामी नेशनल लोक अदालत की तैयारियों को लेकर चर्चा की। साथ ही आगामी चुनाव को दृष्टिगत रखते हुये यथाशीघ्र प्रीलिटिगेशन प्रकरणों को प्रस्तुत करने के लिए समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया, ताकि समय पर सूचना पत्रों की तामिल कराई जा सकें। नेशनल लोक अदालत में नगर पालिका द्वारा जल कर एवं सम्पत्ति कर में दी जा रही छूट के संबंध में भी चर्चा की जाकर अधिक से अधिकर प्रचार-प्रसार करने के लिए मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देशित किया। नेशनल लोक अदालत में बैंक के ऋण वसूली संबंधी प्रीलिटिगेशन प्रकरण, नगर पालिका के जल कर, सम्पत्ति कर, बीएसएनएल विभाग के टेलीफोन बकाया राशि के प्रीलिटिगेशन प्रकरण एवं विद्युत विभाग के न्यायालय में लंबित एवं प्रीलिटिगेशन प्रकरणों के निराकरण के संबंध में विस्तार से दिशा निर्देश दिये गये। उक्त बैठक में विभिन्न बैकों के शाखा प्रबंधक, श्रमपदाधिकारी रामगोपाल रजक, मुख्य नगर पालिका अधिकारी मधु सक्सेना, लीगल एडवाईजर विद्युत विभाग पवन दोहरे, अंशुलसिंह तोमर सहित जिला विधिक सहायता अधिकारी फारूक अहमद सिद्दीकी उपस्थित थे।

शाजापुर में ट्रक की टक्कर से 6 लोग घायल
जिला अस्पताल में उपचार जारी

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, शादी समारोह से पतोली जा रहे ग्रामीण हादसे का शिकार हो गए। जिनके ऑटो को ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में 6 लोग घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए जिला असपताल में भर्ती कराया गया है।

घटना शुक्रवार रात करीब 11.30 बजे की है। हादसे में घायल मनीषा सौराष्ट्रीय ने बताया कि हम सभी लोग ग्राम बरवाल से शादी समारोह से ऑटो में सवार होकर ग्राम पतोली जा रहे थे। इस दौरान अज्ञात ट्रक ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। जिसमें करीब 6 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद वहां मौजूद लोगो ने घायलों की मदद की और उन्हें निजी कार से जिला अस्पताल पहुंचाया सभी घायल ग्राम पतोली के बताए जा रहे हैं। वही इस मामले में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

लव जिहाद और हैवानियत की शिकार
युवती को एक आंख से दिखना हुआ बंद
आरोपित के मकान पर प्रशासन ने चलाया बुलडोजर

गुना । लव जिहाद की शिकार युवती के साथ हुई हैवानियत के मामले में सरकारी तंत्र की सुस्त कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं। पहले आरोपित को शराब के केस में बंद करना, फिर मारपीट की धाराओं में केस बनाना और मामला उछलने पर गंभीर धाराओं का इजाफा करना पुलिस की टालमटोल कार्यप्रणाली की ओर इशारा कर रहा है। घटना के पांच दिन बाद रविवार सुबह अब जाकर प्रशासन ने आरोपित के अवैध कब्जे पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई की।

उधर, बेसहारा मां-बेटी को बिना पुलिस अभिरक्षा और किसी सरकारी अटेंडर के बिना ही ग्वालियर रेफर कर दिया गया है। जबकि पुलिस व प्रशासन को मालूम था कि दोनों महिलाओं के घर में कोई पुरुष अटेंडर नहीं है। ऐसे समय आगे आए स्वयंसेवियों के भरोसे उन्हें शनिवार शाम ग्वालियर रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार गौरतलब है कि नानाखेड़ी क्षेत्र में रहने वाली एक 23 वर्ष की युवती को पहले तो पड़ोसी युवक अयान पठान ने प्रेमजाल में फंसाया। फिर उसका शोषण शुरु कर दिया। आरोपित युवती पर मकान उसके नाम करने का दबाव बना रहा था और उसे हड़पना चाहता था, लेकिन युवती की मां ने कह दिया कि उसने तो मकान बेच दिया है और शिवपुरी अपने रिश्तदारों के यहां चली गई।

इधर, आरोपित ने अपनी चाल में कामयाब न होते देख युवती से मारपीट शुरू कर दी। मंगलवार की रात तो उसने हैवानियत की सारी हदें पार कर दीं। अयान ने युवती के पेट पर बैठकर उसकी जूती से आंखों पर वार किए, प्राइवेट पार्ट और जख्मों पर मिर्च पाउडर डाल दिया। इतना ही नहीं, युवती चिल्ला न सके इसलिए उसके होंठ फेवीक्विक से चिपका दिए। उसकी हैवानियत देख खुद युवक के परिजन तक युवती को बचाने जुट गए थे। उसकी मां और सौतेले पिता युवक को एक कमरे में बंद कर युवती को बचा पाए थे। युवती ने बताया कि युवक उसे मारपीट के लिए सुनसान जगह पर भी बाइक पर बैठाकर ले गया था। मारपीट में युवती को आंख में गंभीर चोट आई है और एक आंख से उसे दिखना बंद हो गया है।

मां ने रोया था सबके सामने दुखड़ा- इधर, हैवानियत की घटना वायरल होते ही प्रदेश स्तर तक गूंज गई। पीड़ित युवती की मां ने सबके सामने दुखड़ा भी रोया कि उनके पति की कैंसर से 10 साल पहले कैंसर से मौत हो गई। युवती उनकी इकलौती संतान है, जिसके साथ नानाखेड़ी में अपने मकान में रह रही थी। लेकिन कुछ माह पहले आरोपित अयान ने युवती को अपने प्रेमजाल में फंसा लिया और उक्त घटना अंजाम दी। उन्होंने यह भी कहा कि हम ग्वालियर कैसे जाएंगे, हमारे साथ न कोई पुरुष अटेंडर है और न रुपये। लेकिन इसके बाद भी प्रशासन और पुलिस सिर्फ कागजी कार्रवाई तक ही सीमित नजर आया। शनिवार को कोर्ट में युवती के 164 के बयान दर्ज होने के बाद उसे मां सहित 108 एंबुलेंस तो मुहैया करा दी, लेकिन इतना संगीन मामला होने के बाद भी पुलिस ने न तो मां-बेटी को सुरक्षा मुहैया कराई और न ही प्रशासन ने कोई सरकारी अटैंडर भेजा।

पुलिस व प्रशासन की कछुआ चाल- घटना के तुरंत बाद सिर्फ युवक को शराब के केस में पकड़ा गया। इसके बाद मामला तूल पकड़ा, तो मारपीट का केस बना लिया और जब लोगों ने सख्त कार्रवाई की मांग उठाई, तो गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर आरोपित के मकान को गिराने कार्रवाई की जा रही है। उसके नानाखेड़ी स्थित मकान को गिराने नोटिस चस्पा कर आदेश का इंतजार किया जा रहा है। इस संबंध में तहसीलदार जीएस बैरवा ने बताया कि आरोपित को खुद अवैध कब्जा हटाने 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया था। इसके बाद रविवार सुबह उसके अवैध निर्माण को ढहाने की कार्रवाई की गई।

ग्वालियर में मदद करेंगे कार्यकर्ता युवती की आर्थिक मदद हिंदू जागरण मंच, लोक न्याय और राजपूत करणी सेना संगठनों ने की है। साथ ही आरोपित युवक पर गंभीर धाराओं में केस दर्ज कराने हिंदू जागरण मंच ने एसपी से अपील की थी। हिंदू जागरण मंच के जिलाध्यक्ष दीपक रजक ने बताया कि पीड़ित मां-बेटी के साथ कोई पुरुष अटेंडर नहीं है, ऐसे में हमारे हिंदू जागरण मंच के ग्वालियर कार्यकर्ता स्वयंसेवक के रुप में अपनी सेवाएं देंगे।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने एक्स हैंडल पर बताई विचलित करने वाली घटना इधर, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने उक्त घटना को लेकर एक्स हैंडल पर लिखा है। उन्होंने कहा कि 'गुना की एक बेटी के साथ बर्बरता और हैवानियत का समाचार विचलित कर देने वाला है। आशा करता हूं कि हमारी इस बेटी को जल्द से जल्द न्याय मिल सके। अपराधी को सख्त सजा मिले, ताकि कोई हैवान हमारी बहन-बेटियों के सम्मान से खिलवाड़ करने का दुस्साहस करने की सोच भी न पाए।

इनका कहना है युवती ने युवक के माता-पिता की कोई शिकायत नहीं की है। उसके 164 के बयान कोर्ट में दर्ज करा दिए गए हैं। युवती और उसकी मां ने सुरक्षा संबंधी कोई मांग नहीं की। युवती से दुष्कर्म किसने किया, इसकी जांच के लिए युवक का डीएनए सेंपल टेस्ट ग्वालियर एफएसएल यूनिट में भेजा गया है। - **दिलीप राजौरिया, थाना प्रभारी**

रेलवे पुल से वैनगंगा नदी में कूद गई युवती, मौत, शिनाख्त में जुटी पुलिस

बालाघाट। जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत गर्रा में वैनगंगा नदी पर बने रेलवे के पुल के नीचे शनिवार को उस वक्त हड़कंप का माहौल निर्मित हो गया। जब एक युवती ने पुल के ऊपर से नदी में छलांग लगा दी। ऊंचाई से कूदने के कारण युवती की मौत हो गई है। जिसकी सूचना कोतवाली थाना पुलिस को मिलने पर कोतवाली निरीक्षक प्रकाश वास्कले अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे और शव को बरामद कर पंचनामा कार्रवाई को पूर्ण किया है।मामले के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की शाम के समय वैनगंगा नदी के तरफ गए कुछ लोगों रेलवे पुल से वैनगंगा नदी में एक युवती को कूदते हुए देखा और इसकी सूचना उन्होंने पुलिस को दी। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस युवती की शिनाख्त में जुट गई है, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है।

वहीं मिली जानकारी के अनुसार युवती की उम्र करीब 18 से लेकर 22 वर्ष के बीच की होगी। यहां कुछ प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवती जब रेलवे पुल के उपर से कूदी तो कूदने के बाद वह उठकर थोडी ही दूर तक चलने की भी कोशिश की, लेकिन अधिक चोट लगने के कारण वह चल पाई और उसकी मौत हो गई। वहीं रेलवे पुल से जिस स्थान से वह कूदी है वहां पर उसकी चप्पल पुलिस भी को मिली है।

वैनगंगा नदी पर रेलवे पुल के उपर से युवती द्वारा कूदे जाने की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर शव को बरामद कर पंचनामा कार्रवाई को पूर्ण किया गया है, युवती की शिनाख्त नहीं हो पाई है शव को जिला अस्पताल के शव कक्ष में सुरक्षित रखवा दिया गया है, युवती की शिनाख्त किए जाने के लिए विवेचना की जा रही है। -प्रकाश वास्कले, निरीक्षक, कोतवाली।

लुटेरों ने खुद को पुलिस बताकर घर में मारी
रेड, मारपीट कर ले गए लाखों का सामान

कटनी। माधव नगर थाना क्षेत्र के रॉबर्ट लाइन में रात को एक घर में घुसे पांच लुटेरों ने खुद को पुलिस बताकर रेड डालने की बात कहते हुए लूट की और स्वजनों से मारपीट कर नकदी, कीमती सामान लेकर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मौके का निरीक्षण करते हुए अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की जांच में पुलिस को लुटेरों के संबंध में अहम सुराग मिले हैं।जानकारी के अनुसार माधव नगर थाना क्षेत्र के रॉबर्ट लाइन निवासी 36 वर्षीय भारत बनवानी पिता प्रकाश बनवानी के घर में देर रात लगभग एक बजे पांच अज्ञात लोग आए। पहले तो लुटेरों ने घर का दरवाजा खटखटाया लेकिन जब घर में मौजूद लोगों ने दरवाजा नहीं खोला तो वह दीवार फांदकर अंदर घुस आए और खुद को पुलिस बताते हुए रेड पड़ने की बात कह कर लूटपाट शुरू कर दी। पुलिस रेड बताते हुए लुटेरों ने घर में रखे पांच मोबाइल, दो लैपटॉप, स्पीकर सहित खाते में मौजूद लगभग 50 हजार रुपए ट्रांजैक्शन कराते कराए और लगभग 4 लाख की लूटपाट की। बड़े ही इत्मीनान से लूट की घटना को अंजाम देने के बाद वहां से रफूचक्कर हो गए। परिवार के लोग डरे सहमे से रहे और बाद में उनको पता लगा कि घर आने लोग पुलिस के लोग नही थे बल्कि लुटेरे थे। जिसकी सूचना उन्होंने माधव नगर पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मामला दर्ज किया और घटनास्थल का निरीक्षण कर स्वजनों से लुटेरों के संबंध में पूछताछ की। साथ ही आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले गए हैं। माधवनगर थाना प्रभारी अनूप सिंह ठाकुर ने बताया कि लुटेरों के सबंध में अहम सुराग लगे हैं और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा।

मप्र हाई कोर्ट ने भोपाल गैस त्रासदी मामले में मानिटरिंग कमेटी को त्रैमासिक रिपोर्ट पेश करने दी मोहलत

जबलपुर। हाई कोर्ट ने भोपाल गैस त्रासदी मामले में मानिटरिंग कमेटी को त्रैमासिक रिपोर्ट पेश करने मोहलत दे दी। दरअसल, कमेटी की ओर से कुछ समय की मांग की गई थी। प्रशासनिक न्यायाधीश शील नागू व न्यायमूर्ति देव नारायण मिश्रा की युगलपीठ ने मामले की अगली सुनवाई मई माह के दूसरे सप्ताह में निर्धारित की है।उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2012 में भोपाल गैस पीड़ित महिला उद्योग संगठन सहित अन्य की ओर से दायर की गई जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए भोपाल गैस पीड़ितों के उपचार व पुनर्वास के संबंध में 20 निर्देश जारी किए थे। इन बिंदुओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित कर मानिटरिंग कमेटी का गठित करने के निर्देश भी जारी किए थे।मानिटरिंग कमेटी प्रत्येक तीन माह में अपनी रिपोर्ट हाई कोर्ट के समक्ष पेश करने व रिपोर्ट के आधार पर हाई कोर्ट द्वारा केन्द्र व राज्य सरकार को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करने के निर्देश दिए थे। याचिका के लंबित रहने के दौरान मानिटरिंग कमेटी की अनुशंसाओं का परिपालन नहीं किये जाने के विरुद्ध अवमानना याचिका भी 2015 में दायर की गयी थी। मामले की सुनवाई दौरान मानिटरिंग कमेटी के अधिवक्ता ने त्रैमासिक रिपोर्ट पेश करने समय प्रदान करने का आग्रह किया। इसे हाई कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

पुलिया से घाटी में गिरा हार्वेस्टर
दो लोगों की मौत, एक घायल

जबलपुर। जबलपुर-कुंडम बघराजी मार्ग के करनपुरा में एक हार्वेस्टर पुलिया से नीचे घाटी में गिर गया। हार्वेस्टर में तीन लोग सवार थे। इस दुर्घटना में दो लोगों की मौके पर मौत हो गई।इस घटना में एक व्यक्ति हार्वेस्टर के नीचे दब गया था जिसे किसी तरह रेस्क्यू करके निकाल लिया गया। वह बुरी तरह घायल था। पुलिस को घायल व्यक्ति ने बताया कि तीन लोग हार्वेस्टर में और थे। पुलिस को आशंका है कि तीन अन्य लोग हार्वेस्टर में सवार थे जिसके बाद उनकी खोजबीन की जा रही है। कुंडम थाना क्षेत्र की पुलिस ने तत्काल राहत और बचाव कर शुरू किया । मौके पर क्रेन जेसीबी और हाइड्रा की मदद से पुलिया से नीचे गिरे हार्वेस्टर को निकालने का काम किया जा रहा है एडिशनल एसपी प्रदीप शिंदे ने बताया कि सुबह करीब 8:00 बजे कुंडम से बघराजी डैम के पास घाटी वाले इलाके में यह हादसा हुआ। उन्?होंने बताया कि सड़क से नीचे हार्वेस्टर गिर गया। जिस पर सवार तीन लोग थे जिनकी मौके पर दो लोगों की मौत हो गई। वहीं एक घायल जिसे निकाल गया और नजदीक के अस्पताल में प्राथमिक उपचार के लिए भेजा गया। फिलहाल बचाव का कार्य जारी है। पुलिस हार्वेस्टर की जांच कर यह सुनिश्चित कर रही है कि उसके नीचे कोई और व्यक्ति तो नहीं दबा हुआ है।

मणिपुर में वोटिंग के दौरान हुई थी फायरिंग

अब 11 मतदान केंद्रो पर होगा पुनर्मतदान

मणिपुर = लोकसभा चुनाव के पहले चरण के समापन के बाद, मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने घोषणा की कि आंतरिक के 11 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान आयोजित किया जाएगा। मणिपुर लोकसभा सीट मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के मुताबिक, इन स्टेशनों पर 22 अप्रैल को दोबारा मतदान होगा। यह निर्णय चुनाव आयोग के एक निर्देश के बाद किया गया, जिसने 19 अप्रैल को हुए प्रारंभिक चुनावों को शून्य घोषित कर दिया।

मणिपुर में शुक्रवार शाम 7 बजे तक 69.18 प्रतिशत मतदान हुआ।

सुबह 7ः00 बजे से शाम 5ः00 बजे तक मतदान होगा

सीईओ के आदेश के अनुसार, भारत निर्वाचन आयोग ने लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 58(2) और 58ए(2) के तहत निर्देश दिया है कि 19 अप्रैल (शुक्रवार) को 11 मतदान केंद्रों के संबंध में 1-आंतरिक मणिपुर संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के नीचे दी गई तालिका में सूचीबद्ध स्टेशनों को शून्य किया जाएगा और उक्त मतदान केंद्रों पर ताजा मतदान कराने की तारीख 22 अप्रैल, 2024 (सोमवार) को सुबह 7ः00 बजे से शाम 5ः00 बजे तक मतदान का समय निर्धारित किया जाएगा। प्रभावित मतदान केंद्र जहां पुनर्मतदान कराया जाएगा, वे हैं खुरई विधानसभा क्षेत्र में मोइरंगकम्पु साजेब उच्च प्राथमिक विद्यालय और एस. इबोबी प्राथमिक विद्यालय (ईस्ट विंग), क्षेत्रीगाओ में चार, थोंगजू में एक, उरीपोक में तीन और कोंथौजाम में एक।

उपद्रवियों ने गोलीबारी की और ईवीएम को भी नष्ट किया

19 अप्रैल को, संघर्षग्रस्त मणिपुर में कुछ मतदान केंद्रों पर हिंसा की घटनाएं सामने आईं, जहां कुछ उपद्रवियों ने गोलीबारी की और ईवीएम को भी नष्ट कर दिया। इस घटना में गोलीबारी के बाद एक नागरिक के घायल होने की खबर है और लोकसभा चुनाव में मतदान के दौरान मणिपुर के इंफाल के मोइरंगकम्पु सजेब अवांग लीकाई में एक मतदान केंद्र पर झड़प की खबर है।

दो लोगों ने कार के अंदर से गोलियां चलाईं

मोइरंगकंपू के ब्लॉक लेवल अधिकारी साजेब सुरबाला देवी ने कहा,अचानक दो लोग यहां आए और कांग्रेस और बीजेपी के पोलिंग एजेंटों के बारे में पूछा। वे कांग्रेस एजेंट का हाथ पकड़कर बाहर ले गए। फिर दोनों लोगों ने कार के अंदर से गोलियां चलाईं।एक व्यक्ति घायल हो गया। आंतरिक मणिपुर संसदीय क्षेत्र के सभी 32 विधानसभा क्षेत्रों और बाहरी मणिपुर (एसटी) संसदीय क्षेत्र के 15 विधानसभा क्षेत्रों में लोकसभा के लिए मतदान हुआ।

बाहरी मणिपुर के शेष 13 खंडों के लिए मतदान दूसरे चरण में 26 अप्रैल को होगा। 18वीं लोकसभा के 543 सदस्यों को चुनने के लिए भारत में 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में लोकसभा चुनाव होंगे। दूसरा चरण 26 अप्रैल को होगा और बाकी चरण क्रमशः 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई और 1 जून को होंगे। वोटों की गिनती 4 जून को होगी ।

इजराइली सेना ने वेस्ट बैंक पर हमले में 10 आतंकवादियों को मार गिराया

इंटरनेशनल डेस्कः पिछले साल की शुरुआत से वेस्ट बैंक में हिंसा भड़की हुई है जिस पर इजराइल ने 1967 से कब्जा कर रखा है। 7 अक्टूबर को गाजा में युद्ध छिड़ने के बाद से यह और भी बढ़ गई है। वहीं इजराइली सेना ने कहा कि 40 घंटे से अधिक समय में उसने 10 आतंकवादियों को मार गिराया है और नूर शम्स के आसपास आठ गिरफ्तारियां कीं। इसमें कहा गया कि आठ सैनिक और एक पुलिस अधिकारी घायल हो गए। फ़िलिस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उसने इज़राइली हमले में 11 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है जिनमें से सात लोग घायल हुए हैं। इसमें कहा गया है कि घायलों तक पहुंचने की कोशिश करते समय एक पैरामेडिक को गोली लग गई।

अमेरिका ने पाकिस्तान को मिसाइल उपकरण देने पर चीन की तीन और बेलारूस की एक कंपनी पर लगाई रोक

वाशिंगटन/इस्लामाबादः अमेरिका ने लंबी दूरी की मिसाइल सहित पाकिस्तान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए उपकरणों की आपूर्ति करने के लिए तीन चीनी कंपनियों और बेलारूस की एक कंपनी पर प्रतिबंध लगाया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने यह जानकारी दी। चीन, पाकिस्तान का सर्वकालिक सहयोगी है। वह पाकिस्तान के महत्वाकांक्षी सैन्य आधुनिकीकरण कार्यक्रम के लिए हथियारों और रक्षा उपकरणों का मुख्य आपूर्तिकर्ता रहा है। अमेरिका ने चीन की जिन तीन कंपनियों पर प्रतिबंध लगाया है, उनमें शियान लॉन्गडे टेक्नोलॉजी डेवलेपमेंट, तियानजिन क्रिएटिव सोर्स इंटरनेशनल ट्रेड और ग्रानपेक्ट कंपनी लिमिटेड शामिल है।

जबकि बेलारूस के मिंस्क व्हील ट्रैक्टर प्लांट पर प्रतिबंध लगाया गया है। अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने शुक्रवार को कहा कि ये कंपनियां ऐसी गतिविधियों या लेन-देन में लिप्त पाई गई हैं, जिन्होंने सामूहिक विनाश के हथियारों या उनके वितरण के साधनों के प्रसार में भौतिक रूप से योगदान दिया है या जोखिम पैदा किया है, जिसमें पाकिस्तान द्वारा निर्माण, अधिग्रहण, स्वामित्व, विकास, परिवहन में सहयोग शामिल हैं। अमेरिका के कदम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पाकिस्तान के विदेश कार्यालय की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा,हम निर्यात नियंत्रण के राजनीतिक उपयोग को अस्वीकार करते हैं।

बलोच ने कहा, ''यह सर्वविदित है कि उन्हीं न्यायाधिकार क्षेत्रों ने, जो परमाणु अप्रसार नियंत्रणों का कड़ाई से पालन करने का दावा करते हैं, कुछ देशों के लिए उन्नत सैन्य प्रौद्योगिकियों के लिए लाइसेंसिंग आवश्यकताओं को माफ कर दिया है। वह स्पष्ट रूप से अमेरिका द्वारा भारत जैसे देशों को अत्याधुनिक हथियारों के निर्यात की अनुमति देने का जिक्र कर रही थीं। बलोच ने इस्लामाबाद में कहा, ''इस तरह के भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण और दोहरे मानदंड सैन्य विषमताओं को बढ़ाकर परमाणु अप्रसार प्रशासन की विश्वसनीयता और क्षेत्रीय और वैश्विक शांति और सुरक्षा के उद्देश्यों को कमतर कर रहे हैं।

मध्य अफ्रीकी गणराज्य में बड़ा हादसा

नाव डूबने से 50 से अधिक लोगों की मौत

बंगुईः मध्य अफ्रीकी गणराज्य में यात्रियों को ले जा रही एक नौका के नदी में डूब जाने से उसमें सवार कम से कम 50 से अधिक लोग डूब गए। प्रत्यक्षदर्शियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने एसोसिएटेड प्रेस को शनिवार को बताया कि लकड़ी से बनी नाव शुक्रवार को करीब 300 लोगों को राजधानी बंगुई से गुजरने वाली मपोको नदी को पार कर रही थी तभी यह हादसा हो गया। स्थानीय नौका चालकों और मछुआरों ने सबसे पहले बचाव अभियान शुरू किया। बचाव अभियान में शामिल एक मछुआरे एड्रियन मोसामो ने बताया कि सेना के पहुंचने तक कम से कम 20 शव निकाले जा चुके थे। बंगुई यूनिवर्सिटी अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि जैसे-जैसे सेना का तलाशी अभियान बढ़ रहा है, मरने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है।

राजस्थान में सड़क हादसा, शादी समारोह से लौट रहे 9 लोगों की दर्दनाक मौत

नैशनल डैस्क = राजस्थान के झालावाड़ जिले के अकलेरा इलाके के समीप ह्न-52 पर भयानक सड़क हादसा होने की खबर सामने आई है, जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक एक मारुति वैन और ट्रॉले की जबरदस्त टक्कर हुई, जिससे 9 लोगों की मौत हो गई। सभी मृतक मध्य प्रदेश से किसी शादी समारोह से अपने घर लौट रहे थे। सभी मृतक राजस्थान के डुंगरगांव, बागरी समाज के बताए जा रहे, जिनके शवों को अकलेरा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। घटनास्थल पर अकलेरा पुलिस पहुंच गई है और मामले की जांच में जुट गई है। झालावाड़ की पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर के अनुसार, ट्रक के चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है, और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

जापानी नौसेना के दो हेलीकॉप्टर प्रशांत महासागर में गायब, सेना ने जताई यह आशंका

इंटरनेशनल डेस्कः जापान के समुद्री आत्मरक्षा बल के दो हेलीकॉप्टर के रात के समय प्रशिक्षण उड़ान के दौरान तोक्यो के दक्षिण में प्रशांत महासागर में दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका है। रक्षा मंत्री मिनोरू किहारा ने यह जानकारी दी है। उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि दो एसएच-60के हेलीकॉप्टर में चालक दल के चार-चार सदस्य सवार थे और शनिवार देर रात तोक्यो के दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में तोरीशिमा द्वीप के पास उनसे संपर्क टूट गया।

नाइजीरियाई चैम्पियन टुंडे ने बनाया नया रिकॉर्ड, 60 घंटे लगातार खेली शतरंज

नेशनल डेस्क = नाइजीरिया के शतरंज चैम्पियन और अधिवक्ता टुंडे ओनाकोया ने गिनीज विश्व रिकॉर्ड तोड़ने के लिए न्यूयार्क के टाइम्स स्क्वायर में 60 घंटे तक लगातार शतरंज खेला। ओनाकोया (29 वर्ष) को बुधवार को शुरू हुए रिकॉर्ड प्रयास के जरिये पूरे अफ्रीका में बच्चों की शिक्षा के लिए 10 लाख डॉलर जुटाने की उम्मीद है। ओनाकाया एक बाल शिक्षा अधिवक्ता हैं, उन्होंने 58 घंटे तक शतरंज खेलने के लिए तैयारी की थी, लेकिन शनिवार सुबह करीब 12ः40 बजे 60 घंटे तक शतरंज खेलते रहे। इस तरह उन्होंने 56 घंटे नौ मिनट और 37 सेकंड के मौजूदा शतरंज मैराथन रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया जो 2018 में नार्वे के हॉलवर्ड हॉग फ्लैटबो और सजुर फर्किगस्टेड ने बनाया था।

न्यूयॉर्क में जहाज पर पार्टी दौरान चाकू से हमले में तीन लोग घायल

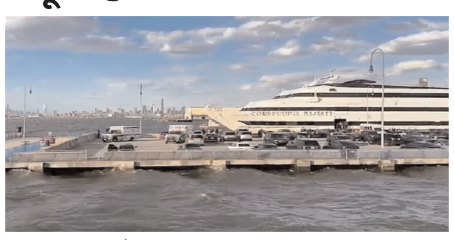

न्यूयॉर्कः अमेरिका की न्यूयॉर्क सिटी में एक जहाज पर हो रही पार्टी के दौरान चाकू से किए हमले के बाद शनिवार को तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। पुलिस कर्मी सोफिया मैसन ने बताया कि 58वीं स्ट्रीट और ब्रूकलिन आर्मी टर्मिनल गोदाम के समीप ईस्ट रिवर पर शाम करीब पांच बजे हमले की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि घायलों की उम्र 28 से 40 वर्ष के बीच है और तीनों पुरुष हैं जिनके सीने और पेट में चाकू से वार किया गया। एक व्यक्ति के सिर पर एक बोतल से भी वार किया गया। मैसन ने बताया कि उन्हें न्यूयॉर्क के एक अस्पताल में ले जाया गया और उनकी हालत स्थिर है। मामले में शनिवार शाम तक कोई गिरफ्तारी नहीं की गयी है और जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, हमले के वक्त कोर्नुकोपिया मैजेस्टी नामक जहाज पर करीब 3,000 लोग सवार थे।

मालदीव की संसद के लिए मतदान शुरू चुनाव पर भारत- चीन की करीबी नजर

इंटरनेशनल डेस्कः मालदीव में संसदीय चुनाव के लिए रविवार को मतदान शुरू हो गया। इसके अस्थायी परिणाम देर रात तक घोषित किए जाने की संभावना है। यह चुनाव देश के मौजूदा राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के लिए बहुत महत्वपूर्ण है जिनकी नीतियों पर मालदीव में प्रभाव बढ़ाने की कोशिश कर रहे भारत और चीन की नजर रहती है। मालदीव हिंद महासागर में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण जगह पर स्थित है। ऐसे में भारत और चीन मालदीव में अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश करते रहे हैं। मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद भारत और चीन के बीच प्रतिद्वंद्विता बढ़ गई। मुइज्जू ने चीन समर्थक रुख अपनाया और देश के एक द्वीप पर तैनात भारतीय सैनिकों को हटाने का काम किया। राष्ट्रपति के लिए संसद में बहुमत हासिल करना कठिन होगा क्योंकि उनके कुछ सहयोगी अलग हो गए हैं तथा अधिक संख्या में दल चुनावी दौड़ में शामिल हो गए हैं। छह राजनीतिक दलों और स्वतंत्र समूहों ने संसद की 93 सीट के लिए 368 उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। जनसंख्या वृद्धि संबंधी समायोजन के बाद ये पिछली संसद की तुलना में छह सीट अधिक हैं। लगभग 2,84,000 लोग मतदान करने के पात्र हैं और अस्थायी परिणाम रविवार देर रात घोषित होने की संभावना है। राष्ट्रपति पद के लिए मुइज्जू का चुनाव अभियान 'भारत को बाहर करो% थीम पर आधारित था, जिसमें उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति पर भारत को बहुत अधिक महत्व देकर राष्ट्रीय संप्रभुता से समझौता करने का आरोप लगाया था। मालदीव में कम से कम 75 भारतीय सैन्यकर्मी तैनात थे और वे भारत द्वारा दान किए गए दो विमानों का संचालन करने के साथ ही समुद्र में फंसे या आपदाओं का सामना करने वाले लोगों के बचाव कार्य में सहयोग करते थे। भारत और मालदीव के बीच रिश्ते तब और तनावपूर्ण हो गए जब अनेक भारतीय लोगों ने सोशल मीडिया पर मालदीव पर्यटन का बहिष्कार करने का अभियान शुरू कर दिया। दरअसल मालदीव के तीन उपमंत्रियों ने लक्षद्वीप में पर्यटन को बढ़ावा देने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विचार को लेकर उनके बारे में अपमानजनक बयान दिए थे, जिसके जवाब में भारत में मालदीव पर्यटन के बहिष्कार का मुहिम चली। मालदीव सरकार के हालिया आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई है। मुइज्जू ने इस साल की शुरुआत में चीन का दौरा किया था और चीन से आने वाली पर्यटकों तथा उड़ानों की संख्या में वृद्धि पर बातचीत की थी। मालदीव 2013 में चीन की 'बेल्ट एंड रोड% पहल में शामिल हो गया था, जिसका उद्देश्य पूरे एशिया, अफ्रीका और यूरोप में व्यापार तथा चीन के प्रभाव का विस्तार करने के लिए बंदरगाहों और राजमार्गों का निर्माण करना था।

शिक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में पांच और लोग अरेस्ट, मध्य प्रदेश के उज्जैन से हुई गिरफ्तारी

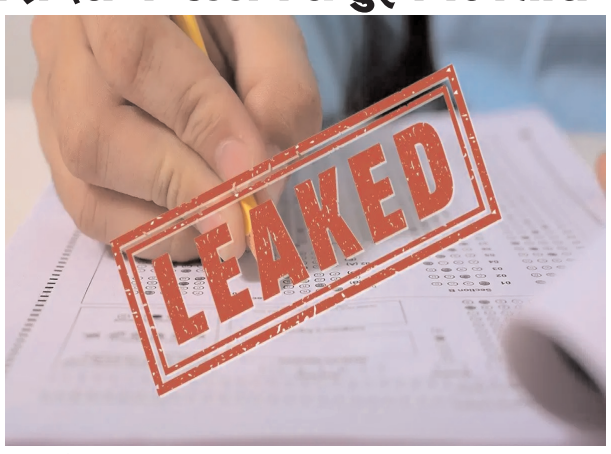

पटनाः बिहार पुलिस ने पिछले महीने आयोजित की गई शिक्षक भर्ती परीक्षा (टीआरई)-3 के प्रश्नपत्र के कथित तौर पर लीक होने के मामले में मध्य प्रदेश से एक महिला सहित पांच और लोगों को गिरफ्तार किया है।

बिहार राज्य आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) द्वारा शनिवार देर रात जारी एक बयान के अनुसार,सभी पांच आरोपियों को उज्जैन (मध्य प्रदेश) से गिरफ्तार किया गया है। वे एक गिरोह का हिस्सा हैं। उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर पटना लाया जाएगा। गिरफ्तार लोगों के पास से महत्वपूर्ण सबूत एकत्र किए गए हैं और उन्हें सोमवार को पटना की अदालत में पेश किया जाएगा। इस पेपर लीक के बाद बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) ने टीआरई-3 परीक्षा रद्द कर दी थी। परीक्षा की नई तारीख बाद में घोषित की जाएगी। यह परीक्षा 15 मार्च को 415 केंद्रों पर आयोजित की गई थी। परीक्षा में लगभग 3.75 लाख अभ्यर्थियों ने भाग लिया था। ईओयू ने 16 मार्च को भादवि की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। ईओयू द्वारा एक विशेष टीम का गठन किया गया था, जिसने कथित प्रश्नपत्र लीक मामले में 266 लोगों को गिरफ्तार किया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569